(18)

संलग्नक-06

कार्यवाही विवरण

मेसर्स फिल स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड, ग्राम–घुटकू व निरतू, तहसील–तखतपुर, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) के New DRI Kilns (2,31,000 TPA), Induction Furnace with matching LRF & CCM (Billets/Ingots) (99,000 TPA), Ferro Alloy Unit 2x9 MVA (Fesi-14,000 TPA/FeMn-50,400 TPA/SiMn-28,800 TPA/FeCr-30,000 TPA), Briquetting Plant-200 Kg/hr, WHRB Based Power Plant-20 MW(2x8 MW), AFBC Based Power Plant-12 MW, Brick Manufacturing Unit of 30,000 Bricks/Day के पर्यावरणीय स्वीकृति बाबत् दिनांक 19.04.2022 को दोपहर 12:00 बजे ग्राम–घुटकू स्थित हायर सेकेण्डरी स्कूल प्रांगण, तहसील–तखतपुर, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) में आयोजित लोकसुनवाई का कार्यवाही विवरण :–

भारत शासन पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली की ई.आई.ए. नोटिफिकेशन 14.09.2006 के प्रावधानों के अनुसार मेसर्स फिल स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड, ग्राम–घुटकू व निरतू, तहसील–तखतपुर, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) के New DRI Kilns (2,31,000 TPA), Induction Furnace with matching LRF & CCM (Billets/Ingots) (99,000 TPA), Ferro Alloy Unit 2x9 MVA (Fesi-14,000 TPA/FeMn-50,400 TPA/SiMn-28,800 TPA/FeCr-30,000 TPA), Briquetting Plant-200 Kg/hr, WHRB Based Power Plant-20 MW(2x8 MW), AFBC Based Power Plant-12 MW, Brick Manufacturing Unit of 30,000 Bricks/Day के पर्यावरणीय के संबंध में लोक सुनवाई हेतु उद्योग के आवेदन के परिप्रेक्ष्य में स्थानीय समाचार पत्र दैनिक भास्कर, बिलासपुर में दिनांक 17.03.2022 तथा राष्ट्रीय समाचार पत्र द पायनियर, नई दिल्ली के मुख्य संस्करण में दिनांक 17.03.2022 को लोक सुनवाई संबंधी सूचना प्रकाशित करवाई गई थी। तद्नुसार लोक सुनवाई दिनांक 19.04.2022 को दोपहर 12:00 बजे ग्राम–घुटकू स्थित हायर सेकेण्डरी स्कूल प्रांगण, तहसील–तखतपुर, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) में आयोजित की गई। ई.आई.ए. अधिसूचना 14.09.2006 (यथा संशोधित) के प्रावधानों के अनुसार ड्राफ्ट ई.आई.ए. रिपोर्ट, कार्यपालक सार की प्रति (हिन्दी व अंग्रेजी) एवं इसकी सी.डी. (साफ्ट कापी) जन सामान्य के अवलोकन/पठन हेतु कार्यालय कलेक्टर बिलासपुर, कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत बिलासपुर, अनुविभागीय अधिकारी (रा0), कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) तखतपुर, जिला–बिलासपुर, कार्यालय महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र बिलासपुर, क्षेत्रीय कार्यालय, क्षेत्रीय अधिकारी, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, व्यापार विहार पं. दीनदयाल उपाध्याय पार्क के पास, बिलासपुर, **सरपंच/सचिव कार्यालय, ग्राम पंचायत घुटकू/निरतू, तहसील–तखतपुर, जिला–बिलासपुर (छ.ग.),** डायरेक्टर, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, मंत्रालय, भारत सरकार, इंदिरा पर्यावरण भवन, वायु विंग, जोरबाग रोड़, नई दिल्ली, मुख्य वन संरक्षक, क्षेत्रीय कार्यालय (पश्चिम मध्य क्षेत्र), पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भू–तल, पूर्व विंग, नया सचिवालय भवन, सिविल लाईन्स, नागपुर (महाराष्ट्र)

क्षेत्रीय अधिकारी
क्षेत्रीय कार्यालय,
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल
बिलासपुर (छ.ग.)

एवं मुख्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, पर्यावास भवन, नॉर्थ ब्लॉक, सेक्टर – 19, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर (छ.ग.) में रखी गई है। परियोजना के संबंध में सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां एवं आपत्तियां सूचना प्रकाशन जारी होने के दिनांक से 30 दिन के अंदर क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, बिलासपुर में मौखिक अथवा लिखित रूप से कार्यालयीन समय में प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया। इस दौरान लोक सुनवाई के संबंध में सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां/आपत्तियों के संबंध में इस कार्यालय को 03 आवेदन पत्र प्राप्त हुआ हैं।

लोक सुनवाई हेतु निर्धारित तिथि दिनांक 19.04.2022 को दोपहर 12:00 बजे ग्राम–घुटकू स्थित हायर सेकेण्डरी स्कूल प्रांगण, तहसील–तखतपुर, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) में आयोजित की गई। लोक सुनवाई की कार्यवाही आरंभ की गई।

सर्वप्रथम श्रीमती जयश्री जैन, अतिरिक्त कलेक्टर, जिला–बिलासपुर द्वारा लोक सुनवाई की कार्यवाही आरंभ करने की अनुमति के साथ डॉ. एम. पी मिश्र, क्षेत्रीय अधिकारी, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, बिलासपुर द्वारा भारत शासन, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी ई.आई.ए. नोटिफिकेशन 14. 09.2006 (यथा संशोधित) के परिपेक्ष्य में लोक सुनवाई के महत्व एवं प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी जनसामान्य को दी गई।

तत्पश्चात् परियोजना प्रस्तावक की ओर से श्री राजेश ठाकुर (कंपनी प्रतिनिधि), श्री महेश्वर रेड्डी, पायनियर एनवायरो लेबोरेटरीज एंड कंसल्टेंटस प्राईवेट लिमिटेड, हैदराबाद द्वारा मेसर्स फिल स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड, ग्राम–घुटकू व निरतू, तहसील–तखतपुर, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) परियोजना के संबंध में संक्षिप्त जानकारी जनसामान्य को अवगत कराया गया।

अतिरिक्त कलेक्टर, जिला–बिलासपुर द्वारा उपस्थित जनसमुदाय को जनसुनवाई संबंधी विषय पर अपने सुझाव, आपत्ति, विचार, टीका–टिप्पणी मौखिक अथवा लिखित रूप से प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया।

तत्पश्चात् उपस्थित लोगों ने मौखिक रूप से सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां दर्ज कराया गया। जिसका विवरण निम्नानुसार है :–

क्षेत्रीय अधिकारी
क्षेत्रीय कार्यालय,
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल
बिलासपुर (छ.ग.)

तत्पश्चात् उपस्थित लोगों ने मौखिक रूप से सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां दर्ज कराया गया। जिसका विवरण निम्नानुसार है :–

1. **श्री जनपद चौहान, ग्राम–मंगला** :–आज के जनसुनवाई क्षेत्र के घुटकू, तुर्काडीह, निरतू, लोफंदी, हाफा, लोखडी, देवरी, मंगला, सकरी, कोनी, लमेर, कछार लोफंदी, आदि गांव के आसपास निवास करने वाले लोग है। उनके हितो को ध्यान में रखते हुए ये जनसुनवाई किया जा रहा है और ये जनसुनवाई में हमारे क्षेत्र के जागरूक लोग किसान लोग, गरीब लोग, मजदूर लोग, हमारी महिलाये, बहने–भाईयों और बडे–बुजुर्ग लोग अपनी बात को रखने आये है। शासन का जो योजना है, जो प्रक्रिया है, और भी बेहतरीन है। अपनी बात को कहना शासन के सामने है और वो भी पीठासीन अधिकारी महोदया के सामने हम लोग अपनी बात को रखेंगे। चाहे विरोध में हो, चाहे समर्थन में हो, अपन बात ला कहना चाहिए और आज नहीं कहबो तो कब कहबो। ओखर सामने हमर बात ला सालिनता से रखना है। चाहे राज्य सरकार की ही क्यों न हो, कोई सरकार बड़े–बड़े उद्योगपति मन ला आमंत्रित करत हे, तो ओखरे बर ये स्टील एवं पॉवर प्लांट, वॉशरी वगैरह लगत हे। ओखरे बर। ये जनसुनवाई हे और कोई भी कारखाना फैक्ट्री लगथे प्रदूषण होते। लेकिन प्रदूषण नियंत्रण कर के योजना भी है। हमन के जनता पंच, सरपंच, जनपद सदस्य है। वो उद्योगपति से मिल के, शासन से मिल के, जतका कोयला के बड़े–बड़े गाड़ी चलत हे, ओमा तिरपाल ढ़ककर ले जाये बर ओमन ला दबाव डालना चाहिए। ताकि जो प्रदूषण फैलत हे, वो नियंत्रित हो सकें, और पानी के टैंकर भी चलावाये बर कहना चाहिए। सड़क में जतका धूल उडत हे, एक टाईम, नई दो टाईम, नई तीन टाईम, धूल के नियंत्रण करे बर पानी के टैंकर चलाना चाहिए। यदि कही फैक्ट्री प्रतिष्ठान खुलत हे तो हमर 8 गांव, 10 गांव, 20 गांव रोजगार के जो लईका मन बेराजगार है पढ़े लिखे है वो मन रोजगार देना चाहिए और ये कंपनी वाले मन और सरकार मन ला रोजगार देना चाहिए। येही सब योजना–प्रयोजना बर क्षेत्र में खुलत हे। बहुत से अधिकांश मजदूर है दिल्ली, कश्मीर कमाने–खाने चले जाते है। अपने घर बार को छोड के अभी कोविड के कारण कतका झन रेगत आईन हे। बहुत परेशानी होय हे जेखर–जेखर यहां काम करने गये थे। तनखा भी नहीं देवत हे। तो ये घर बैठे कोई रोजगार खुलत हे, फैक्ट्री खुलत हे, और ये जानकारी होना चाहिए कि उद्योग से–750 लोग मन ला रोजगार मिलही और ये जब ये कोई कारखाना खुलते तो उस क्षेत्र के विकास होते। बहुत सारा दुकान खुलही, रोजी, रोजगार खुलही, हॉटल खुलही, पान ठेला खुलही। कई समान रोजगार के मिलही। एक

क्षेत्रीय अधिकारी
क्षेत्रीय कार्यालय,
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल
बिलासपुर (छ.ग.)

कारखाना फैक्ट्री से होथे। उसमें हजारो हजार बेरोजगारो मन ला रोजगार भी मिलते प्रत्यक्ष रूप से और हजारो हजार व्यक्तिमन ला, लईका मन ला, और लोग मन ला, नोनी बाबू मन ला, महिला मन ला, नव युवक मन ला, अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलथे। मोर एक सुझाव हे पीठासीन अधिकारी महोदया से जो भी क्षेत्र में कोयला गाडी चलत हे, ओकर नियंत्रित होना चाहिए। ओखर स्पीड कम होना चाहिए। ओखर कोयला गाड़ी मा, तिरपाल लगना चाहिए और जल के छिड़काव होना चाहिए। ताकि खेत के फल–फूल है खेत में जो सब्जी उगात हे ओला कोई नुकसान झन पड़े, दूसरा सुझाव ये है पीठासीन अधिकारी महोदया से फैक्ट्री वाला मन ला कहो कि इस क्षेत्र में गरीब आदमी जो दुखी है जो गरीब है लाचार है ये मन के स्वास्थ खराब होवत हे, ये कारखाना, फैक्ट्री के कारण उमन बर स्वास्थ्य के लिए सांस के परीक्षण कराये और वो मन के इलाज कराये। जो ज्यादा गंभीर है उसको बढ़िया से बढ़िया अस्पताल में, ऊंचा से ऊंचा अस्पताल में उमन ला इलाज कराये। जितका गरीब, दुखी है बेराजगार है उमन ला रोजगार के प्रबंध करें। मैं जनपद चौहान ये जो जनसुनवाई होवत हे मैं पूर्ण समर्थन करथव।

2. **<u>श्री कृष्ण कुमार सोनी, ग्राम–घुटकू</u>** :– आज 19/04/2022 को स्टील पॉवर लिमिटेड का प्रस्तावित स्थल है। बैठक रखा गया। ग्राम–घुटकू में निवासरत किसान, मजदूर, छात्र–छात्राएँ की आपसी बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें प्रस्तावित स्टील पावर एवं कोल वॉशरी के स्थापना के संबंध में खुलकर विरोध किया गया एवं बंद करने की अपील की गई। विषयांतर्गत लेख है कि स्टील पावर कोल बेनिफिकेशन प्राईवेट लिमिटेड खुल जाने पर वातावरण प्रदूषित के साथ–साथ खाद्य एवं अन्न उत्पादन क्षमता शुद्धता एवं उपजाऊ कृषि भूमि की उर्वरक शक्ति खत्म कर जमीन बंजर हो जाएगा। वर्षा के दिनों में बड़े पैमाने पर जल भराव के कारण कृषि कार्य प्रभावित एवं दूषित जल समीप के नदी, तालाब, पोखर एवं नीचे के बारे को दूषित करेगा, जिससे जल की अशुद्धता बढ़ेगी, जिससे प्राणियों के जीवन पर अपने लक्षण प्रदर्षित करेगें, जिससे मानव एवं पशु –धन की हानि होगी जिससे सामाजिक–आर्थिक समस्याएँ उत्पन्न होगी। प्रस्तावित स्टील पावर से हानिकारक गैस उत्सर्जित होंगे। जिससे मनुष्य के रक्त में हीमोग्लोबिन के अणु आक्सीजन के तुलना में 200 गुना अधिक तेजी से कार्बन डाई–ऑक्साइड जुड़ने लगेगें, जिससे श्वसन में घुटन होगा, जो शीघ्रता से दिखाई नहीं देते अपितु कुछ समय पश्चात् अपने लक्षण प्रदर्षित करेगें जिससे अपार जन–धन की हानि होना निश्चित है। वाहन के आवा–जाही से बड़ी दुर्घटना, बड़ी–बड़ी मशीन, यंत्रो अन्य औद्योगिक प्रकरणों से हमारे कान, नाक

क्षेत्रीय अधिकारी
क्षेत्रीय कार्यालय,
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल
बिलासपुर (छ.ग.)

एवं मानसिक रोग उत्पन्न होंगे। ग्राम–घुटकू से लगे अन्य ग्राम पंचायत जो 10 किलोमीटर क्षेत्र के सभी ग्राम पंचायत में पर्यावरण मूल्यांकन रिपोर्ट पढ़ने के लिए सभी ग्राम पंचायतों रखी जानी चाहिए। जो समय–सीमा पर नहीं हो रहा है और न ही रखा गया है। प्रस्तावित कोल वॉशरी एवं स्टील पावर बेनिफिकेशन लिमिटेड घुटकू द्वारा बंद बेरोजगारों को नौकरी का झांसा देकर व अस्पताल खोलने एवं छात्र–छात्राओं को ईनाम देने का झूठा कथन कर अपना श्रीमान रहे है। जो हमारे शुद्ध पर्यावरण के साथ गंभीर मजाक उड़ा रहे है एवं जनहित के खिलाफ है। ग्राम–घुटकू के वासियों को अगर अपनी पीढ़ी को बचाना है तो अपनी ग्राम को बचाना है। अपने बच्चों को साफ हवा देनी है, प्रदूषण मुक्त जीवन जीना हैं। अतः मान्यवर से विशेष प्रार्थना है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश एवं निर्देश को ध्यान में रखते हुए हमारे शुद्ध पर्यावरण विकृति करने वाले पर समझौता न करें, जिससे जन–धन की हानि से बचाया जा सकें।

3. <u>श्री विसंभर गुलहरे, जिला अध्यक्ष, छ0ग0 जनता कांग्रेस, बिलासपुर</u> :–इसके पहले वक्ताओं ने पक्ष में विपक्ष में अपने वक्तव्य दिये। कहने को तो बहुत कुछ है परंतु मैं कम शब्दो में अपनी बात कहूंगा। ये बात ठीक है सबको अपना पक्ष रखने का अधिकार है। सबको स्वच्छ पानी पीने का अधिकार है। सबको शुद्व जल में शुद्व हवा में अपना जीवन जीने का अधिकार है। परंतु उतना भी अधिकार उन बेराजगारो का भी है। उन्हें नौकरी भी चाहिए। वो लोगों को भी है समय–समय पर पलायन कर जाते है और गांव को अकेले छोड के चले जाते है। रोजगार के अवसर, हमारे घर द्वार, हमारे गांव में, मिलने लगता है तो उसका विरोध होता है। विरोध सही बातों में हो, सही चीजों में हो, तो विरोध बिल्कुल सही है। ऐसी क्या बात है जिसका विरोध होना चाहिए। ऐसी क्या बात है जिसका विरोध नहीं होना चाहिए। अगर ये नियम के विपरीत काम करती है ये कंपनी, ये प्लांट, तो इसे बंद करना होगा। परंतु जब ये शर्तो के अनुसार व नियमों के अनुसार काम कर रही है तो इसे बंद करना तथा इसके विकास को रोकना है। क्योकि आप अपना विकास मत रोकिये। मै बिलासपुर में हूं मैं छत्तीसगढ़ जनता कांग्रेस कमेटी का मै जिलाध्यक्ष हूॅ। मुझे मालूम है वो समय की बात याद आ रही है। मुझे जब एनटीपीसी का कारखाना लग रहा था सीपत में। हम लोग उसका विरोध कर रहे थे। लगता था हमको वहां की हवा बिलासपुर में आकर हमारे छतो में हमारे घरो में आयेगा, हमारे कपड़ो में आयेगा। हमारे सांसो से अंदर चला जायेगा। नाना प्रकार की बाते आती थी और हम उसका विरोध करते थे। पुरजोर विरोध करते थे। आप लोग तो कुछ विरोध नहीं कर रहे हो। हम लोग तो सड़कों में सो जाते थे। यहां से वहां तक विरोध करते

क्षेत्रीय अधिकारी
क्षेत्रीय कार्यालय,
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल
बिलासपुर (छ.ग.)

थे। पहले आप देखे विरोध अपनी जगह था। शासन–प्रशासन का जो नियम था। शासन–प्रशासन का जो सहयोग है, फैक्ट्री बनी, संयंत्र बना। आज आप देखिये हमारे बगल में मध्य प्रदेश है 12–12, 14–14 घंटे लाईट गोल होती है और एक छत्तीसगढ है 5 मिनट लाईट गोल नहीं होती है। हमारो हमारे नवजवान नौकरी पा चुके है और छोटे–छोटे उद्योग वहां खुल चुके है। यदि हम लोग विरोध होता तो बंद हो गया होता। वो एनटीपीसी यहां नहीं कहीं और खुल जाता। ये जो प्लांट है, आप विरोध करेंगे, तो यहां नहीं तो कहीं और खुल जायेगा। क्यो खोलेंगे इनको तो खोलना है कहीं भी खोल लेंगे। उनको लगा कि यहां के लोगों को बेरोजगारो को रोजगार दिया जाये, तो विकास करना है। पैसे वाले लोग कहीं भी प्लांट लगा सकते है। उनको कमी नहीं है। चलो मैं यहां से आता–जाता रहता हूं यहां के लोगो को रोजगार देता हूं और यहां पर प्लांट लगाया जाये। यहां लोगों को स्वास्थ सुविधा दिया जाये, यहां लोगों को शुद्व पानी दिया जाये, यहां सड़के दिया जाये, यहां पर चिकित्सा दिया जाये, यहां अस्पताल दिया जाये, यहां पर स्कूल दिया जाये, ये अपना अधिकार है। ये तो आपको मिलेगा। जब प्लांट लग जायेगा ये तो आपके अंडर में है। कहां जायेगा। ये आपका कहना मानेगा। क्योंकि ये करोड़ो रूपये लगाकर यहां खोल रहा है। ऐसा थोड़ी है कि ये आपका कहना नहीं मानेगा। आपका कहना बराबर मानेगा। एक प्लांट लगेगा, दो प्लांट लगेगा। ये आपका घुटकू–निरतू ये औद्योगिक क्षेत्र में आ जायेगा और जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में विकास होता है। बड़े–बड़े गाड़िया, अच्छे–अच्छे मकान सब लोगों को मिलता है। उतनी मेहनत आप खेतो में काम कर रहे है उतनी मेहनत आप मजदूरी कर के कर रहे है उसका फल नहीं मिल रहा है। आपको लगता हैं कि विरोध करके आप खुश हो जायेंगे। नौजवानो बच्चो का भविष्य होने वाला है उनका क्या होगा? मेरा आपसे निवेदन है विरोध तो हम भी किये थे। विरोध तो हम करते है। परंतु ये नियम के विरूद्व करेगा तो हमारा विरोध इनके साथ है। नियम के विरूद्व करते है तो मैं आपसे निवेदन करूंगा कि मैं फिर आउंगा, नियम के विरूद्व करेंगे तो मैं गांव वासियों से कंधे से कंधे मिलाकर उनका साथ दूंगा। परंतु आप लोग नियम से करते है तो, आप लोगों को भी सहयोग देना चाहिए। माता–बहनों, घर तो आप लोगों को घर चलाना है। घर तो आप लोगों से चलता है। बच्चों का परवरिश आप करते है। आप लोगों की ज्यादा जवाबदारी है। इस प्लांट का विरोध ऐसा मत करें कि विरोध करना है तो विरोध करना है। गुण–दोष को देखिये, ऐसा इन लोगों ने आपसे क्या कहां है अधिकारियों क्या बोलते है। शासन इनको मंजूरी दे रहा है, देने वाला है। जनसुनवाई करके आगे भेजने तो प्रशासन के तरफ से इनको कुछ दिया होगा। ये सब बहने आ गई है वो सब चाहती है कि खुले। बाकी कुछ भाई

क्षेत्रीय अधिकारी
क्षेत्रीय कार्यालय,
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल
बिलासपुर (छ.ग.)

लोग भ्रमित हो गये है वो चाहते कि ये न खुले। वो भ्रमित होकर न आये। युवा साथियों, इस प्लांट को खुलने का सहयोग दिजिए और इनके मालिक से बात करिए। आने वाले समय में वो तो आपके पीछे ही रहिये। मैं तो बिलासपुर से नहीं आऊंगा। गांव वाले यही रहेंगे और कोई ऐसा बोला जाता है। धुआं भर जायेगा। धूल भर जायेगा। ये हो जायेगा। ऐसा कुछ नहीं है। देख लो एनटीपीसी को कुछ नहीं होता है। बिलासपुर आ जायेगी धुआं यहां हवा चलेगी ईधर चलेगा, उधर चलेगा कभी नहीं जाता है धुंआ हमारे घर में। ये कभी नहीं आया। ये सब बताने की बात करते है। विरोध के लिए तो आदमी बोल देता है। परंतु नियम से काम कर रहे है, तो उसका समर्थन करें। हमारी जनता कांग्रेस छत्तीसगढ जोगी नियम के अनुसार अगर काम करेगी ये कंपनी, ये संयंत्र तो उनका सहयोग हमेशा करेगी, नही तो विरोध है। सबसे निवेदन करता हूॅ पहले तो प्लांट लग जाने दो, अभी तो कुछ हुआ ही नहीं है, तुम लोग करना क्या चाहते हो। देख तो लो, प्लांट भाग तो नहीं जायेगा। चक्का तो नहीं लगा है जो चले जायेगा। वो यही रहेगा। आप लोगों को हेल्प करना चाहिए। प्लांट को लगने देना चाहिए। उसका रिजल्ट देखना चाहिए। आने वाले समय में नियम का पालन नहीं करेंगे। तो आपका विरोध कानूनी है। ऐसे विरोध को हम सब समझते है। आशा विश्वास के साथ हम लोग इस प्लांट का समर्थन करते है। कि पूरे नियमो का पालन करें।

4. <u>श्री विष्णु प्रसाद लोनिया, ग्राम–घुटकू</u> :– ये जो विकास हो रहा है पूर्ण रूप से नियम से हो। ग्रामीणों का सहयोग करते रहे। किसी प्रकार से किसी को जमीन का अगर फसल नुकसान हो रहा है तो उसको मुआवजा भी मिले एवं मैं इनके तरफ से एक दो बात कहना चाह रहा हूॅ, जिस समय पूरे भारत में लॉकडाउन हुआ। जिस समय पूरा जनता के बीच में एक–एक दाने के लिए मोहताज था। उस समय मैं भैया से निवेदन किया कि भैया हमारे गांव में भुखमरी की स्थिति आ गया है। हमारे गांव को अनाज की जरूरत है। भैया के द्वारा परिपूर्ण ढंग से पूरे जनताओं के लिए राशन प्रदान किये और हमारे गांव के प्रति सहानभूति रखा। भैया के द्वारा हमारे गांव में किसी भी प्रकार का दुख–सुख अगर आ जाता है। हमारे ग्रामीणों के द्वारा पता चलता है कि ये व्यक्ति काफी गरीब है, काफी बीमार है। उसके लिए भी भैया के द्वारा सहयोग राशि दिया जाता है एवं हमारे ग्राम में किसी भी प्रकार से धार्मिक कार्यक्रमों हो मंदिरो में यथा शक्ति सहयोग दिया जाता है जो काफी सराहनीय है। महोदय से निवेदन करता हूॅ कि पर्यावरण का जो व्यवस्था है वो सरकार के द्वारा सूची निर्धारित किया गया है। मापदण्डो का पालन करते हुए मैं इस कोल वॉशरी का समर्थन करता हूॅ।

क्षेत्रीय अधिकारी
क्षेत्रीय कार्यालय,
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल
बिलासपुर (छ.ग.)

5. <u>श्री संजू पटेल, ग्राम पंचायत ग्राम–लोखंडी</u> :–हर चीज का दो पक्ष होते। सिक्का के भी दू भाग होते। चीट और पट। कंपनी लगही तो 700 मन ला नौकरी मिलही। अनाज भी बांटते है भैया। 700 लोग ला नौकरी मिलही गजब बात है। भैया चांवल बटवाते जेन फैक्ट्री वाला हे, ओखर जयजयकार हो। लेकिन ये नहीं बतात हे जब स्टील प्लांट लगही में कितना कन पानी लगही। ये हमर क्षेत्र हे जहां जनसुनवाई होवत हे। 200 मीटर पानी खोदते तो निकल थे। जब स्टील प्लांट में 500 मीटर पानी निकाल कर अपन यूज करही ना, तो यहां कितना कर पानी बचही। जो किसान हे, समझ लेवा। अच्छा–बुरा सब के पहलू होथे। अच्छा ये खुद हे। मैं विरोध नही कर रहा हूँ। 700 आदमी मन ला नौकरी मिलही। जयजयकार हो भैया के, लेकिन जीही तब तो मिलही, कि मरे के बाद मिलही। जीही तब तो मिलही कि मरे के बाद नौकरी चाहिए, मरे के बाद नौकरी मिलही स्वागत है। लेकिन विरोध मा हर चीज नहीं है कि जनसुनवाई मा मैं अपन मन के मतलब रखत हव। ओखर अवगुण के पता नहीं चलही। ये तो हो गये पानी के। दूसरा है मैं लोखडी के रहवईया हूँ सर सड़क किनारे मेरा घर है। डेली मैं कोयला खा रहा हूँ जितने भी है लोखंडी निवासी सब ये जान रहे है इसी तरह आश्वासन दिया गया था क्या होगा विकास, कितना विकास हो रहा है, हमारे ग्राम पंचायत लोखडी में आप जा के देख लिजिये। आपको इतना बेहतरीन रोड दिखेगा। आप तारीफ करेंगे सर, अभी ये भैंसाझार वाला रोड बन गया ना, थोडा इज्जत रह गया हमारा लेकिन हमारे गांव में कचरा खा–खा के फेफड़ा जल रहा है। हम किसी को बोल नहीं रहे है। ये पहली बार जनसुनवाई। इसके पहले कोयला प्लांट लगीस, तो हमला आज तक नहीं पूछीस। जियत बर नौकरी चाकरी सब करबो। लेबर के नौकरी चाकरी करने वाला आदमी है छत्तीसगढ़ के। कमा लेंगे और खा लेंगे। लेकिन जिंदा रहबो तब 500 मीटर से पानी निकाल कर स्टील प्लांट में काम करने जाही ना, तब पानी पीने नहीं दीही तब। अरपा के भरोसा मत करिहा, अरपा तो गये। हमर यहां चार ठोक तालाब सूखा गये हे। आने वाले समय में चार ठोक और सूखा जायही। जानता हूं भाई, मर जाबो ऐखर संगे–संग और बनावा देथव। जब ओखर समान लाये जाये बर हजार ठोक गाड़ी चलही। तब तुहर और मैं मरहू। बाहर के आदमी नहीं मरय। 1000 गाडी चलही प्लांट से लाये लेजाये बर। हम मन नई मरबो बाहर के आदमी नहीं मरही। तीन चार बर जाकर बोलत हन कि रोड ला बनवा देव।, बनवा देव। भैसांझार के रोड़ बने हे ना, ओ रोड़ नहीं–बनहीं प्लांट चलथे तेमा, भैसाझार के। चीट पट देख के देहा, जनता के उपर है। मालिक कौने रहे, जनता के ऊपर है। जनता ला समझ आही तो ठीक है।

क्षेत्रीय अधिकारी
क्षेत्रीय कार्यालय,
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल
बिलासपुर (छ.ग.)

6. **श्री सूरज यादव, पंच ग्राम–निरतू** :– पूर्व में भी प्लांट का विस्तार किया गया था। प्रदीप झा जी, जो कि हमारे यहां पर हमारे छोटे–छोटे गांव है। विशेष करके हमारे निरतू पंचायत का विशेष गोद लेकर वहां दुख–सुख में धार्मिक कार्यो में उनका विशेष सहयोग रहता है। खेलकूद में खासकर के इस क्षेत्र के विकलांग बच्चों, खिलाडियों का भी सहयोग करते है। गरीब निर्धन परिवार का भी सहयोग करते है। उद्योग लगने से खास करके इस क्षेत्र के नवयुवक लाभावित होंगे। देखिये आज हम जाते है, 12 किलोमीटर दूर, इस क्षेत्र के बच्चे और वहां से बिना काम किये काम नहीं लगता। कम से कम यहां उद्योग लगने से आप सभी को इस क्षेत्र का काफी लाभ होगा, नाम होगा और यहां पर विकास होगा और मैं सभी से आग्रह करता हूँ। इसका समर्थन किया जाये। हमारा निरतू पंचायत पूरा ग्रामीण क्षेत्र को गोद लिये है। प्रदीप झा जी, मैं उनको तत्पर प्रणाम करता हूँ, नमन करता हूँ। हमारे गरीबों को विशेष करके शादी–ब्याह धार्मिक कार्यो में भी उनका विशेष सहयोग रहता है। आगे भी मैं चाहता हूँ, प्रदीप झा जी हमारे आसपास के ग्रामीण क्षेत्र खास करके निरतू पंचायत को, विशेष कर घुटकू पंचायत को, विशेष और यहां पर के समय–समय पर ग्रामीण अंचल में स्वास्थ्य परीक्षण कराया जायेगा। इनके लिए और मैं सभी को धन्यवाद देता हूँ।

7. **श्री सत्य प्रकाश गढ़ेवाल, ग्राम–लोखण्डी** :– मोर जमीन ला 2016 में अधिग्रहित करे हे। ओमा अभी कोल डिपो के गाडी घूसत हे। हमर पूरा फसल बर्बाद हे। मैं लोखडी के गावं के दाई–दीदी, मन ला विनती करत हव कि हमला ये डिपो नहीं चाहिए। समर्थन करहा, हमला नहीं चाहिए। हमर पूरा फसल बर्बाद है।

8. **श्री नरोत्तम प्रसाद पटेल, ग्राम–निरतू** :– किसी भी चीज का विरोध करना सरल है। उद्योग खुलता है, शासन द्वारा भी उद्योग को प्रोत्साहन कर रहे है, जो बाहर के लोगो का बुला–बुला करके उद्योग लगाने के लिए विशेष कर छूट दी जा रही है। हमारे बिलासपुर शहर में छोटे–बडे 300 उद्योग संचालित है। वहां प्रदूषण नहीं हो रहा है क्या? जिस स्थान पर, जहां प्लांट लगना है, वो हमारे रहवॉसी मकान से काफी दूर है। इसका प्रभाव हम लोग तक के उतना पडने वाला नहीं है। आज तक भी आस पास के गांव के तालाबो में पानी प्रदूषित नहीं है। किसी भी प्रकार के जन–धन, पशुओं का पानी पीकर मरने की, कोई भी शिकायत आज तक नहीं हुई है। 7–8 वर्ष पूर्व इसी घुटकू में फिल कोल के नाम से जनसुनवाई का आयोजन कराया गया था, जिसमें पास पड़ोस के किसानो लोग, आलू, मिर्ची, भाटा, पौधा को लेकर आये थे। उसमें काले रंग का अपने

क्षेत्रीय अधिकारी
क्षेत्रीय कार्यालय,
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल
बिलासपुर (छ.ग.)

ढाबा का काला रंग धुंआ को लगाकर लाये थे। उसमें काला रंग लगता तो उसी व्यक्ति को आलू में सर्वोच्च छत्तीसगढ़ से पुरस्कार प्रदान किया गया है। इस क्षेत्र के निवासी है ठाकुर जी, मैं कहना यह चाहता हूँ कि ये घुटकू ग्राम पंचायत के नाम से प्रसिद्व है। स्टील प्लांट के नाम से पॉवर जनरेशन के नाम से प्रसिद्व होगा। हमारे गांव के बेराजगार है उनको रोजगार प्रदान मिलेगा। पर्यावरण मंडल से मेरा निवेदन है कि वह शीघ्र ही शीघ्र अनुमति प्रदान करें।

9. **श्री कमल कुमार माथुर, ग्राम–घुटकू** :– मेरा खेती डबरीपारा से 20 एकड़ है जो कि हमको धूल डस्ट से कोई परेशानी नहीं है मेरा ये कहना है कि घुटकू में उद्योग खुलना चाहिए। लोगों को रोजगार मिलना चाहिए। रोजगार के लिए सब त्ररस्त रहते है। इसलिए हमारा समर्थन है। प्रदीप भैया का, पॉवर प्लांट खुलना चाहिए। भैया शादी में सहयोग करते है। हमारे यहां घनापारा में जो रोड है उसको पक्की सड़क बनावाउंगा बोला है, तालाब का काम करूंगा बोला है। मैं कमल कुमार माथुर सहयोग देता हूँ कि उद्योग बनना चाहिए।

10. **श्री जलेश्वर प्रसाद सोनचे, ग्राम–घुटकू** :–मेरा प्रबंधन से सिर्फ जो भी सवाल है। कृपया दाई–बहनी मन, मेरा बात सुन लिजिए। मेरा प्रबंधन से सवाल है क्या आपके द्वारा ग्राम पंचायत में जाकर योग्यता अनुसार नियुक्ति या रोजगार दिया जा रहा है। क्या ग्राम पंचायत में जाकर जल प्रदूषण एवं वायु प्रदूषण जांच की गई, कृपया विवरण देंवे। क्या आपके प्रबंधन द्वारा कितना वृक्षारोपण किया गया है, उनका भी विवरण मै चाहता हूँ। क्या जनहित में लोकहित में आपके प्रबंधन द्वारा दिये गये कितने ग्रामवासी लाभांवित हुये है। मैं उन सबका डाटा चाहता हूँ। क्या आपके प्रबंधन द्वारा रोड का व्यवस्था किया गया है। विवरण देंवे। आपके यहां काम करने वाले कर्मचारी की आकस्मिक मृत्यु हो जाती है तो उसके लिए क्या व्यवस्था किया गया है। कृपया इसका विवरण देवे। मैं अपनी एक बात और रखना चाहता हूँ। हमारे कोलवॉशरी का ग्रामवासी इसका विरोध करते है। पहले हमारे समुचित व्यवस्था का ध्यान दिया जाये। उसके बाद कोल वॉशरी का जो निर्माण किया जाये या नहीं किया जाये। उसका निष्पक्षता पूर्वक जांच किया जाये। हम ये चाहते है कि कोल वॉशरी की समुचित व्यवस्था है वो ग्राम वासियों को सबसे पहले दिया जाये जैसे कि मै कुछ बिन्दु बोला हूँ उसको।

11. **श्री कोमलदास मानिकपुरी, ग्राम–घुटकू** :– मैं अपने बडे भाई शिवदास मानिकपुरी के नाम से आज मैं यहां पर खडा हूँ। ऐसी ही मेरा भाई इस कंपनी में 20 साल खपा दिये है, 20 साल खपाने के बाद आज उनका जीवन नर्क बन गया है। तो

क्षेत्रीय अधिकारी
क्षेत्रीय कार्यालय,
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल
बिलासपुर (छ.ग.)

मैं आज यहां पर ये कहने आया हूँ, मैं दो पक्षो को लेकर कहूंगा। मैं इनका समर्थन भी करूंगा और साथ ही शिकायत भी करूंगा। क्योंकि मेरा भाई आजीवन इस कंपनी का सर्विस किये है। मैं कंपनी को, मैं यह कहता हूँ कि मेरे भाई का जिंदगी भर गोद ले ले कंपनी। उसके बाद मैं इस कंपनी का समर्थन करूंगा। जो भी चीज यहा पर प्रदूषण में होगा। उसका सभी का समाधान इसी कंपनी को करना है।

12. <u>श्रीमती नीलम पटेल, ग्राम–लोखण्डी</u> :– आत–जात, इतना समस्या होवत हे। गांव के लईका, बच्चा ला, तकलीफ होवत हे। इतना समस्या होवत हे कि एक्सीडेंट भी होवत हे। मोर गांव के कई आदमी, बच्चा, गुजर–गुजर गये हे। ऐसन्हा करोना काल, हमन गुजरे हन। गांव के खेती होवे, तो गांव के पानी ला हमन पीयन। सोच के लाईक नहीं हे, ऐसन्हे बिगड़े हे, ये गांव। हमला कोल वॉशरी नहीं चाहिए। हमर गांव में अगर कोल वॉशरी नई लगतीस तो, बीमार नई पडतेन। अगर बीमार पडे है तो कोल वॉशरी के कारण। हमला स्वास्थ्य केन्द्र के जरूरत नहीं हे। क्या जरूरत है, बीमारी आईही तो बीमारी आये हे। हास्पिटल लेवत, पडत हे, गांव के कैंसर होवत हे। बीमारी होवत हे, दुनियाभर के बीमारी। पहली तो कोल वॉशरी नई होवत रहीस, बीमारी नई होवत, रहीस। तब गांव ऐस की जिंदगी जियत रहीस हे। शुद्व हवा खाये, शुद्व, पानी पिये, शुद्व भोजन करतीस। काला कोयला ला खाकर जियत हन। तो बीमार कैसे नई पडही, बीमार पडही तो हास्पिटल जाथे और अपन हिसाब से इतना महंगाई बढे हे, गरीब–गरीब ओखर तो कोई इलाज नहीं हे। कहां से ईलाज कराये सकही ऐसन्हे मरत हे। पानी की व्यवस्था नहीं हे। कोयला में चलत हे। ओ मेर से गुजरथे, लईका बच्चा वही डस्ट ला खावत हे। डस्ट ला पीयत हे काला–काला, हमला प्लांट नहीं चाहिए, तो नई चाहिए। मोर लोखंडी गांव बेजान हो गये हे। ओला जान चाहिए। जब तक जीयत हे, तब तक सुरक्षित जिंदगी चाहिए। मोर लोखंडी गांव के नई, जितना आसपास के दस गांव के मन ये जो प्रदूषण है एला मुक्त कराया जाये।

13. <u>श्री प्रमोद खाण्डे, ग्राम–घुटकू</u> :– अभी मैं सुन रहा था। यहां पर 700 लोगों को रोजगार मिलेगा घुटकू से। मैं जानना चाहता हूँ कि अभी वर्तमान में जो प्लांट चालू है कितने लोगों को रोजगार मिला है, कितने लोग जाते है भैया, काम करने, कौन–कौन जाते हो, यहां काम करने, यहां सब ठेकेदारी में, शोषण कर रहे है मजदूरो की यहां पे। सबसे पहले तो ठेकेदारी प्रथा बंद होना चाहिए और जो काम कर रहे है, उनका यूनियन होना चाहिए वहां। जो अपनी आवाज उठा

क्षेत्रीय अधिकारी
क्षेत्रीय कार्यालय,
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल
बिलासपुर (छ.ग.)

सकें। भैया मैं यह कहना चाह रहा हूं, यहां जो ठेकेदारी प्रथा चल रहा है, यहां उसको बंद किया जाय सबसे पहले।

14. <u>श्री सुनील यादव, ग्राम–घुटकू</u> :–मैं यहां बचपन से निवास करथव। यहां कोई भी नहीं रहीस हे। जहां के हमन कुआं से, पानी तक ला, बाल्टी से निकाल ले रहन। आज ये कोल फिल बने हे, वॉटर लेवल 200 फीट अंदर चले गये हे। पहले 50 फीट रहीस हे, अब 200 फीट गये। एखर कारण विरोध नइ होवय, तो हमला भोजन पानी, नई मिलय, पानी बर तरस–तरस कर मर जाबो। मोर समर्थन है कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

15. <u>श्री कुंवर सिंह पार्कर, ग्राम–करहीपारा घुटकू</u> :– उद्योग के आने से विकास होता है। गांव में पढ़े–लिखे लड़के हैं। जैसे मैकनिकल में पढे है, फीटर में पढे है, इलेक्ट्रिशियन में पढे है, आसपास के गांव के बेरोजगार लड़के घूम रहे है, उद्योग खुलने से सभी लोगों को रोजगार मिलेगा। इसलिए मैं चाहता हूं कि उद्योग पेड–पौधे अच्छे लगाये। रोड को भी अच्छे से बनाये और स्वास्थ्य को भी ध्यान दे। मैं इसको समर्थन करता हूं कि यहां उद्योग होना चाहिए।

16. <u>श्री योगेश कुमार लूनिया, ग्राम–घुटकू</u> :– यहां पर आज जो जनसुनवाई का कार्यक्रम रखा गया है वो हम लोगों की विकास के लिए रखा गया है। हमारे क्षेत्र के लोग इस उद्योग में अपना काम करते है दूर जाना नहीं पडता है। प्लस जो भी सुख–दुख आता है, हम उनके पास जाते हमको पूरा करते है। पानी की आवश्यकता है। इस क्षेत्र में कम से कम दस ठोक बोरवेल करावा चुके है झा जी, हमारे। हमारे यहां पानी के लिए हार्वेटर करवाये है तालाबों में। लोगों को यहां रोजगार मिल रहा है। इसमें कोई समस्या नहीं है। उद्योग के आने से क्षेत्र का विकास होता है। आज घुटकू का नाम एशिया के नाम में इसका नाम झा जी का उद्योग एशिया के ग्राम में हमारे घुटकू का नाम आ रहा है। ये उद्योग लगाने से गरीबी दूर होगा। हम लोग समय से अपने घर चले जाते और जा रहे है काम में। हम लोग को उचित मूल्य से रोजगार मिल रहा है। तनखा दे रहे हे। सारे विकास का कार्य हमारे झा जी के द्वारा हो रहा है। वृक्षारोपण भी हो रहा है पानी का लेबल बनाने के लिए उनका काम चल रहा है। उद्योग नहीं होगा तो हमको रोजगार कहां से होगा। इसलिए उद्योग लगने के कारण हम अपने जीवन यापन सही ढंग से कर पा रहे है। इसलिए उद्योग लगना- चाहिए। मैं इसको समर्थन करता हूँ।

क्षेत्रीय अधिकारी
क्षेत्रीय कार्यालय,
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल
बिलासपुर (छ.ग.)

17. **श्री राजनारायण निराला, ग्राम–घुटकू** :– हम सभी परिवार वाले होते है जब एक पिता होता है, तो घर का मुखिया होता है, उसको घर में पालने में जो लगता है हम उसको पालक बोलते है, जो जाने कितने सौकडो घरो में दिया जला रहे है। सौकड़ो घर में चुल्हा जला रहे है। सौकडो घर में रोजगार दे रहे है। वो व्यक्ति पालन नहीं हो सकता, वो तो भगवान के समान होता है। मैं उस व्यक्ति को बहुत–बहुत धन्यवाद देना चाहता हूं। जिन्होंने छत्तीसगढ़ घुटकू में अपने इण्डस्ट्रीज लगाकर हम सब को रोजगार का मौका दिया है और हम सभी शांतिपूर्वक अपने घर के पास रोजगार मिलने के कारण से हम लोग सही के सही शांति पूर्वक अपने घर में जाते है। नही तो पलायन करने वाले छत्तीसगढ में इतने ज्यादा लोग होते है छत्तीसगढ आधा से ज्यादा खाली हो जाता है। पलायन को रोकने से हमारे इण्डस्ट्रीयल लगाने से, उद्योग आने से, बहुत बड़ा भूमिका होता है। हमारी कोशिश, ये होना चाहिए। ऐसे कितने भी इण्डस्ट्रीयल आये, उनका स्वागत होना चाहिए और उनको उद्योग लगाने का मौका देना चाहिए। मैं आप लोगों को एक दूसरे तरीके से बताना चाहता हूँ कि कहने वाले तो आपको कई मिलेंगे। इस तरीके से करो। भडकाइंगे आपको, उस व्यक्ति से जरूर प्रश्न करियेगा। जो व्यक्ति आपको एक दिन का भी मजदूरी दे सकता है। जब एक व्यक्ति को नुकसान कर सकता है उस व्यक्ति से प्रश्न करीये। जो आदमी आपको कहता है कि इण्डस्ट्रीयल नहीं लगना चाहिए। उस व्यक्ति से सवाल जरूर करिये कि कहता है आपसे इण्डस्ट्रीज नहीं लगनी चाहिए। क्या उस व्यक्ति किसी को रोजी दे सकता है, किसी को सुविधा दे सकता है, रोजी रोजगार नहीं दे सकता है, तो उसको किसी भी चीज में हस्तक्षेप करने की जरूरत नहीं है, जो व्यक्ति हस्तक्षेप कर रहा है, मैं उससे प्रश्न करना चाहता हूँ क्या अपने जिंदगी में आज तक किसी का घर बसाया है, किसी के घर में नौकरी दिया है, कोई नहीं दिया है, उनको अपना उल्लू सीधा करना है। किसी राजनीति से जुडके अपना उललू सीधा करता है। ऐसे व्यक्ति के कहने पे आने से अच्छा ये है कि अपना विवेक से काम लीजिए। अपना बुद्वि का काम लिजीए और कोशिश करिये इण्डस्ट्रीयल लग रहा है। इसके माध्यम से हर व्यक्ति को उसको नौकरी मिलेगा, उसको रोजगार मिलेगा, उसके योग्यता के अनुसार सब कुछ मिलेगा। आज इस कंपनी की बात हम कर रहे है। उस कंपनी के 90 प्रतिशत लोग आपके चार गांव के लोग है। 90 प्रतिशत अगर 200 व्यक्ति इस चार गांव के लोग हैं। आंकलन निकालिये पता चल जायेगा। वहां के कितना प्रतिशत आपके गांव के लोग काम कर रहे है। किसी के कहने पर मत आईये। कौआ कान ले गया, इस बात से बोलने से तो अच्छा है कि अपना कान पकड के देख लिजिए। आपका कान सही सलामत है कि नहीं है।

क्षेत्रीय अधिकारी
क्षेत्रीय कार्यालय,
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल
बिलासपुर (छ.ग.)

18. **श्री विजय कुमार मिश्रा, ग्राम–घुटकू** :–जब किसान जमीन बेचा है तब गांव वाले का कोई विरोध नहीं आया है और जब जमीन बेचने के बाद क्या करेगा वो मालिक। वो धंधा नहीं खोलेगा, तो क्या करेगा। धंधा खोलना पडेगा मालिक को। वो सब झन का रोजी चला रहा है। मालिक कैसे धंधा नहीं चला थे। 100 झन का लेबर जाथे। पूछा ना हमन से। सबका आधार कार्ड जमा है। जितने आदमी जा रहे है आधार कार्ड जमा है। पूछा जाये ओला 100 आदमी का लेबर जा रहा था। वो 100 आदमी के चला थे। मालिक का ऐसा कुछ नहीं। धंधा एखर पूरा चलना चाहिए।

19. **श्री राजेन्द्र कुमार खाण्डे, ग्राम–घुटकू** :– पिछले प्लांट में जो क्षेत्रीय लोगों को रोजगार का प्रलोभन दिया गया था श्री माननीय महोदय, प्रबंधन महोदय, से निवेदन है कि मिस्टर प्रदीप झा से अनुरोध है कि, एक भी एम्प्लाईज का नाम बताये एवं उनका ऑफर लेटर व ज्वाईनिंग लेटर दिखाये। तब विश्वास होगा कि आने वाले प्लांट में हमारे को रोजगार मिलेगा की नहीं। ये सब प्रलोभन देने वाली बात है। अभी तक जो पिछले प्लांट चल रहा है। घुटकू ग्राम पंचायत से एक भी आदमी का वहां से रोजगार मिला हो, वहां आकर मेरे को बताये, यही और प्रबंधक से निवेदन है उस एम्प्लाईज का नाम बताये, उसको मैं रोजगार दिया हूँ। उसको ऑफर लेटर दिया हूँ, ज्वाईनिंग लेटर दिया हूँ। वो मेरे को आकर बताये। तो मेरे को विश्वास होगा कि आने वाले प्लांट में हमको भी रोजगार मिलेगा। महोदय से से निवेदन है कि किसी भी एम्प्लाईज का नाम बताये कि रोजगार दिये है। प्रबंधन से निवदेन है कि किसी एम्प्लाईज का आकर नाम बताये। ऑफर लेटर ज्वाईनिंग लेटर दिखाये कि मैं अपने कंपनी में ज्वाईनिंग दिया हूँ। इस आदमी को 2–4 का नाम बताये। इसको हमको भी विश्वास हो कि, आने वाले भविष्य में हमको आने वाले को रोजगार मिलेगा। ये रोजगार की बात हो रही है ना, ये बहुत पहले से होते आ रहा है। ये जो जनुसनवाई हो रहा है, अभी भी हो रहा है, कल भी होगा। लेकिन अभी तो कोई बताये। पिछले कितने एम्प्लाईज को बनाये है। कितने बेरोजगार युवा को यहां पूरा बेरोजगार लोग है। बुलाईये प्रबंधक महोदय से और सबके सामने बताये। पिछले ये कंपनी में मैं ये लोगों को मैं रोजगार दिया हूँ। सबके सामने बोले कि विश्वास होगा कि आने वाले समय में हमको भी रोजगार मिलेगा। आपको मिला है, आप मेरे को एक लेटर दिखा दिजिए कि कंपनी का कर्मचारी है। आपको मैं 2 घंटा का समय देता हूँ। मेरे को विश्वास होगा। कि मेरे को आपका लेटर

क्षेत्रीय अधिकारी
क्षेत्रीय कार्यालय,
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल
बिलासपुर (छ.ग.)

दिखा दिजिए। आदमी को विश्वास होगा। जब से कर रहे है ठीक है पहले लेटर ला के दिखा दिजिए फोटोकापी दिखा दिजिए।

20. **श्री भागवत प्रसाद मधुलकर, ग्राम–करहीपारा घुटकू** :– हमारे गांव के 8–10 लडके प्लांट में काम करने जाते है, बढ़िया ढंग से रोजी–रोटी मिल रहा है, सब काम में जाते है, प्लांट खुलना चाहिए। हमारा सहयोग है। प्रबंधन से निवेदन है वृक्ष लगवाये। हमारे गांव का मांग है।

21. **श्री बलवीर सिंह मेहता, ग्राम–लमेर** :– मैं 5 साल से फिल कंपनी में काम कर रहा हूँ। मैं लोकल लड़का हूँ, मैं जो कि लमेर से हूँ।

22. **श्री राम कुमार पाटले, ग्राम–निरतू** :–मैं यह कहना चाहता हूँ कि हमारे भाई लोग समस्या गिनाये है, उन्हें पूछना चाहता हूँ कि समस्या का जिम्मेदार कौन है, इन समस्या का जिम्मेदार मैं तो खुद ही हूँ, क्योंकि पेड़ तो मैं लागया हूँ, मीठा फल, मैं खा रहा हूँ। ये तो सत्य बात है। मोटी रकम के लालच में मैं जान रहा हूँ पिछले बार ऐसी जनसुनवाई हुआ था। तो अभी की स्थिति जो भी है आप उसको अवगत कराये। उसके जिम्मेदार कौन होगा बताईये आप लोग। तो भाई हमें ये चाहिए था मोटी रकम की लालच में नहीं किये होते तो हमारे भाई लोगों को शिकायत करने का मौका नहीं आता। तो मैं ये कहना चाहूंगा कि उद्योग लगाने के पिछे कही न कही 75 प्रतिशत जिम्मेदार हम है। 25 प्रतिशत मालिक है तो 75 प्रतिशत जिम्मेदार हम खुद है। मैं मालिक से जो झा जी है, उनसे मैं निवेदन करना चाहूंगा कि इस उद्योग के चलते जो भी प्रभावित है। 75 प्रतिशत करहीपारा है। आपको मैं बिल्कुल यह कहना चाहूंगा कि उसको ध्यान देना होगा। आप लोग पूर्व से व मौखिक रूप से काम कर चुके है। लेकिन मै आपसे लिखित रूप में जरूर लूंगा। करहीपारा जितना प्रभावित है 75 प्रतिशत मैं दावे के साथ कह सकता हूँ कि हमारा करहीपारा प्रभावित है। तो आपको इसका विशेष ध्यान रखना होगा। जितना भी हो सके आप वृक्षारोपण लगाइये। इसका भी विशेष रूप से ध्यान रखें। ताकि ये स्थिति की नौबत न आये। आम जनता को कुछ राहत मिले।

23. **श्री राजेश टण्डन, ग्राम–उसलापुर** :– मेरे अंडर में 300 मजदूर यही के लोग उसलापुर, निरतू, घुटकू औस-घनापारा के सब मजदूर, मेरे अंडर में काम करते है और यदि प्लांट खुलता है, तो फिर कम से कम 500 मजदूर फिर से भर्ती हो जायेगा। इसका गारंटी मैं लेता हूँ। मेरे साथ फिर काम करेंगे। इस किसी बात

क्षेत्रीय अधिकारी
क्षेत्रीय कार्यालय,
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल
बिलासपुर (छ.ग.)

का जिकर नहीं है। आप लोग नहीं समझ रहे है प्लांट खुलने से कितने मजदूर को काम मिलता है और कितने लोगों को रोजगार मिलता है। चार आदमी के चिल्लाने से आपत्ति करने से किसी प्रकार का कोई आपत्ति नहीं होता। प्लांट खुलेगा, सब को रोजगार मिलेगा। हमारा समर्थन है।

24. <u>श्री योगेश कुमार लूनिया, ग्राम–लोनियापारा घुटकू</u> :– लोनियापारा, निरतू, घनापारा, ये सारे लोग हमारे सपोट में है, आज बताईये जो बाहर के लोग काम करते है, चार पैसे के लिए, चंद पैसे के लिए सहमत है। लोनियापारा, घुटकू, घनापारा आप मुझे ये बताईये जो बिलासपुर से आये है। रायगढ से आये है। चंद पैसे के लिए भेजे गये है। लूनियापारा, करही, घुटकू गांव जमीन देकर बर्बाद हो गया जमीन देकर। चंद पैसे के लिए पैसा देकर चला जायेगा। ये तो अरबो रूपया कमा रहा है। ये तो अभी से दबा रहा है। ऐसा कोल डिपो क्यो चाहिए। आप मुझे ये बताईये कोल डिपो डाला हुआ है वो पैसा कमा रहा है। उसके पीछे कितना जमीन घर मकान बिक रहा है, जो बाहर से काम करने के लिए आया है, जैसा लमेर के लोग बोल रहे है, वो बाहर का है, क्या उनका घर आ रहा है, जमीन आ रहा है, किसका आ रहा है, घनापारा, करही, घुटकू का आ रहा है। हमको ऐसा कोल डिपो नहीं चाहिए, जिसके कारण हमारा जमीन, घर सब बर्बाद हो। हम लोग चाहेंगे तो नही खुल सकता कोल डिपो। बाहर–बाहर से कह रहे है, बिलासपुर से कह रहे है, उसका जमीन फंसा क्या। क्या उसका जमीन फंसा क्या बताईये। उसको तो पैसा मिल रहा है उसको। क्यू करे ऐसा काम बताईये। कोल डिपो नहीं चाहिए। कोल डिपो के सामने 4–5 लोग का प्लाट है। उसके कारण हमारा घर जमीन जो आवक है, क्यो चाहिए कोल डिपो, वो तो अरबो रूपया कमा रहा है। बडे–बडे नेता, पुलिस को खिला रहे हो, बाहर से आदमी बुला रहा है। क्यो चाहिए ऐसा कोल डिपो। हम लोग समर्थन कर रहे है। कोल डिपो नहीं चाहिए। घुटकू, लूनियापारा, घनापारा, करही ये हमें सुरक्षित चाहिए। जो पहले सुरक्षित चाहिए घनापारा। कोई समर्थन करे लमेर या बिलासपुर ये चंद पैसा के लिए बिके है, आप लोग सपोट कर रहे हो ना चंद पैसो के लिए। जो–जो बाहर के आदमी है सब चंद पैसो के लिए बिके हुये है, चार पैसा के लिए शर्म आना चाहिए, ऐसे आदमी को। 2 साल के बाद देखना आप लोनियापारा, घुटकू का कोल डिपो से आदमी नहीं बचेगा। आप अभी 400–500 के लिए मर रहे है। चार–पांच पैसे के लिए मर रहे है। थोडी दिन के बाद देखना क्या होगा आपका। क्या करोगे ऐसा कोल डिपो को, क्यू चाहिए ऐसा कोल डिपो। ऐसा प्लांट क्यो चाहिए। बहुत से लोग सपोट कर रहे है। पुलिस वाले अभी बाहर है। बिलासपुर का लमेर का सब बिके हैं। चंद पैसे के लिए

क्षेत्रीय अधिकारी
क्षेत्रीय कार्यालय,
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल
बिलासपुर (छ.ग.)

500–1000 के लिए पूरा धुआं के चक्कर में पूरा गांव कस जमीन बर्बाद हो रहा है। सामने किसका जमीन फंसा है। जाईये बिलासपुर में वहां काम करिये। हमको ऐसा कोल डिपो नहीं चाहिए। हमारा घुटकू, करही, लोनियापारा, घनापारा बर्बाद हो। वो सपोट कर रहे है जिसको वो चार पैसे मिले है। जो पहले से बिक चुके है। ऐसा हम लोग को नहीं चाहिए।

25. **श्री मालिकराम लोनिया, ग्राम–लूनियापारा घुटकू** :– हमें ऐसा कोल डिपो नहीं चाहिए। जो भी यहां पर बोलेते है कि इतने आदमी को रोजगार मिला है, इस कोल डिपो में। न तो घुटकू का है, न तो करही का है न तो निरतू का। वो सब आदमी बाहर के है। उन लोगों को कोई प्रभाव नहीं पडता है। रात को इतना डस्ट गिरता है हम लोगों के घर में, क्या बताये। डस्ट जम गया है। हमको ऐसा कोल डिपो की जरूरत नहीं है।

26. **श्री रामकुमार गढेवाल, ग्राम–लोखण्डी उपसरपंच** :– जिस समय करोना काल चल रहा था उस समय प्रदीप जी के द्वारा गरीब लोगो को राशन वितरण किया गया था। राशन के साथ–साथ में नमक, साबुन, तेल और जो भी खाद्य सामग्री है। हमारे ग्राम पंचायत लोखण्डी में हमारे गांव के जो कमजोर लोग थे, हम लोग उनको बांटे थे। समय–समय पर हमारे पंचायत में सहयोग करते रहते है। मैं मानता हूँ उद्योग लगने से वातावरण दूषित होता है। लेकिन उसके रख–रखाव करने के लिए जो हमारे क्षेत्रीय पर्यावरण मंडल के अधिकारी आये हुये है। ये सारा व्यवस्था है, उनकी जिम्मेदारी है। वो वातावरण दूषित है, तो सुरक्षित रखने के लिए योजना का लाभ है वो हम क्षेत्रवासियों को देने के लिए मैं निवेदन करता हूं। झा महोदय लोगों से इस एरिया में अपने पर्यावरण के द्वारा वातावरण सुरक्षित रखे और स्कूल, अस्पताल, बिजली, पानी, स्वास्थ्य सुविधा इस सभी से हम लोगो को इस पूरे एरिया में, मै सिर्फ लोखण्डी की बात नहीं कर रहा हूँ। जहां–जहां पर इसका कोल मिल है। उसका जो दूषित वातावरण है वहां पर सुरक्षा का इंतिजाम करें और इसका मै समर्थन करता हूँ।

27. **श्री शिव कुमार लूनिया, ग्राम–घुटकू** :–ये कोल फिल पॉवर स्टील जो घुटकू में स्थापना हो रहा है। उसका हम गांव लोग विरोध करते है। इसके लगाने से अभी तक लगा हुआ है, इससे हम लोगों का फसल चौपट हो रहा है और पूरा फसल पर एक परत जम गया है। किसान परेशान है, सुबह उठ के देखोंगे तो पूरा धूल जम जाता है। हमारी जितनी माताऐ बहनी आये है, कितने लोग समर्थन

क्षेत्रीय अधिकारी
क्षेत्रीय कार्यालय,
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल
बिलासपुर (छ.ग.)

में है। हाथ ऊपर करो। जय जवान, जय किसान, हम लोग हमारे घुटकू क्षेत्र में कोल वॉशरी नहीं चाहते है।

28. <u>कु. आरती पटेल, ग्राम–लोखडी</u> :– दीदी भाई बहनी मन ला ये बताना चाहत हव। भैया मन यह कहना चाहत है, कि मजदूर मन ला मजदूरी देकर रोजगार देही। मोला बताओ तूमन ला गांव के कितका झन लईका मन यहां रोजगार करत है। और करे भी होवी एक साल, दूसाल, तीन साल, चार साल बर कोई लईका रोजगार नहीं करत हे। दू साल से काम करे हो, ये सब बाकी बाहर से आये है। ये बस बिहरिया ओती मन के यहां सब काम करत हे। हमर गांव लोखंडी के आसपास के जितना गांव के, डस्ट है ओ ना धूल डस्ट खावत हे। ना की बेरोजगार काम करत हे। हमम न सब किसान भाई हन हमन सिर्फ धान पान लगाथन ना वो ही पालथन ये कोयला पोयला में नहीं पावन। हमन लकडी जला के खा लेबो हमन शुद्व हवा चाहथन एखरे बर हमर दीदी भाई बहन मन से निवेदन है कि ऐखर फूल असमर्थन करथव।

29. <u>श्रीमती प्रतिमा वस्त्रकार, ग्राम–लोखडी</u> :–ऐतका झन आदमी आये हो। ऐतका झन ला जॉब देवत हे। परमानेंट नौकरी हे क्या। परमानेंट नौकरी हे क्या। परमानेंट नौकरी तो नो हे। 7 घर, 100 घर, 700 घर व 60 हजार घर ला कौन देखही। कौन देखही। आज हमन के दादा परदादा मन जमीन बेचे हे। बसा दे हे ऐखर भुगतान हमन भोगत हन। हमर भुगतान हमर लईका मन ला भुगतही। कौन देही हमर लईका मन के लईका मन ला। ऐखर बर हमला कोल वॉशरी नहीं चाहिए। कोल वॉशरी नहीं चाहिए।

30. <u>श्री राजा चौहान, ग्राम–घुटकू</u> :– आज से 8 साल पहले भी जनसुनवाई हुआ था। उसमें बोला गया था, कि गांव में रोजगार मिलेगा, गांव का विकास होगा, पेड़ लगेगा, और रोड को बनायेंगे, तालाब में गहरीकरण होगा और घुटकू को गोद में लिया जा रहा है। ऐसे आज तक का हमारे गांव में कुछ हुआ हो तो कोई बता दे कि हमारे गांव में ये कार्यक्रम हुआ है, अन्यथा यहां फैक्ट्री नहीं लगना चाहिए। यहां फैक्ट्री नहीं बनना चाहिए और कोई बता दे कि यहां कोई झा जी ने आज तक किसी को काई रोजगार मिला हो, तो फैक्ट्री नहीं बनना चाहिए मतलब नहीं बनना चाहिए यहां। कोई एक भी आदमी रोजगार कर रहा हो तो आके बताये कि कोई रोजगार कर रहा है कि नहीं कर रहा है। कोई एक आदमी आके बताये की रोजगार है की नहीं किसी के पास, घुटकू का कोई भी

क्षेत्रीय अधिकारी
क्षेत्रीय कार्यालय,
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल
बिलासपुर (छ.ग.)

आदमी यहां किसी को रोजगार नहीं मिला हुआ है और यहां हमारे गांव में आज तक का कोई कार्यक्रम नहीं हुआ है, न पेड लगे है न रोड बना है। न गली बना है न मोहल्ला बना है, न पचरी बना है और यहां सब करायेंगे बोला गया है और ना कुछ हुआ है इसलिये यहां फैक्ट्री नहीं बनना चाहिए।

31. **श्री राजाराम पटेल, ग्राम–घुटकू** :– जे तकलीफ ले अइसे गुजरथन जइसे चाही, जोन नाला हे कुछ दिन के बाद ओखर उद्घाटन भी कुछ कर दिये हे पर आज तक ले नई बने हे बरसात आ जाही ओखर बाद बरसात आ जाही, स्कूल के ओ पार लईका मन जा नई सकय, पानी भर जथे तव, बड़े मुश्किल हो जथे, सब का तकलीफ हे, लईका, सियान सबे ला तकलीफ हवय तव ओखर बनाय के करय एही बिनय हे, बहुत तकलीफ म हन, इहां अउ नरवा ल देखे जाये पाट देतिन जेन गड्ढा हे अउ आज तक ले तकलीफ देथे।

32. **श्रीमती नोहर बाई, ग्राम–लोखण्डी** :–लोखण्डी का रहने वाला हूं मैं, 10 एकड़ है, जो वहां है रातोंरात कोल डिपो बना के रोड निकाल दिया है अउ पता चला है कि रातोंरात सब कर लिया है और बोलते है, तो क्या कहता है जाओ उसी को बुलाओ, उसी को बुलाओ ऐसा करके बोलता है, ऐ कोल डिपो होना नई हे, होना नई हे सब हम मन धूल मा पड़े हन हमन, होना नई हे, होना नई हे। रातोंरात काबर करे हव रोड ला निकाल दिये हे। अलग–अलग रास्ता बना दिये हे। हमन ला कुछ पता नई हे, कोन ला पुछ के ऐला करे हवय, रातोंरात ओ अपन कइसे खोले लिये हे। जय भारत–जय भारत।

33. **श्री दिलीप अग्रवाल, आम आदमी पार्टी** :–नमन करते है हम नारी शक्तियों को जो जिन्होंने कल ग्राम क्षेत्र में, जो कोल वॉशरी खुलने जा रहे है उसके लिए सहयोग किया। चूंकि 2–3 सवाल हमारे है उनका जवाब दे दिया जाये हम कोई विरोध करने यहां नहीं आये है। हमारा सिर्फ कहना है कि मार्ग कहां से होगा। ये बता दिया जाये और पॉलूशन कितने फीट तक बढा है वो बता दिया जाये। जल प्रदूषण कितना बढा है वो बता दिया जाये। कितनी बार जांच की वो बता दिया जाये। इस पब्लिक हीरिंग की चर्चा की थी, हम कल वो नियम बिन्दु पर क्यो नहीं की गई। आखिर कारण क्या है ये बता दिया जाये। हम कोल वॉशरी का विरोध नहीं कर रहे है। हम सिर्फ ये कह रहे है नियम संघर्ष जो होती है, उनका क्यो नहीं किया गया। 4 वार्ड निगम के आ रहे है। एक भी जनप्रतिनिधि को जानकारी नहीं है। 10 से 12 पंचायते आ रही है जनप्रतिनिधि को सिर्फ 2 पंचायतो की जानकारी है। बाकी जनप्रतिनिधि को जानकारी नहीं है। जनता को

क्षेत्रीय अधिकारी
क्षेत्रीय कार्यालय,
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण **मण्डल**
बिलासपुर (छ.ग.)

जानकारी नहीं है। जो बात है। जब हम आवाज उठाये तो 19 तारीख को पब्लिक हीरिंग है इसकी जानकारी प्रदान हुई, ग्रामीणों तक लागों को सिर्फ ये पता था कि 20 तारीख को कोल वॉशरी का विस्तार भंडारण किया जा रहा है। 19 तारीख को जानकारी सब उन ग्रामीणों को थी ही नहीं। आखिर ऐसा प्रशासन को करना क्यों पडा? सवाल हमारा है आप बताईये ऐसा क्यो करना पडा? जनता का 18 तारीख से आपको सवाल व जवाब मांगा गया। उसके बाद भी आपने इस पब्लिक हीरिंग को निरस्त क्यों नहीं किया गया। कल भी सवाल यही था आज भी यही सवाल है। माननीय न्यायालय में भी यही सवाल होगा कि नियमों ताक में छ0ग0 शासन–प्रशासन में क्यो रखा गया पब्लिक की कोई ऐहमियत बची है, छ0ग0 में लोकतंत्र बचा है या नहीं बचा है। सिर्फ इसका जवाब दे जनप्रतिनिध भी जवाब दे। हम विरोध नहीं कर रहे है तरीका सिर्फ गलत है। इस तरीको को क्यो अपनाया गया। क्यो जनता से छुपाया गया इसका हमें जवाब दे दीजिए। आगे हमारी तैयारी और भी है।

34. **श्री राधेश्याम शर्मा, रायगढ़** :–संविधान में जो अलग से अनुच्छेद है वैसे परिस्थितियों को देखते हुए हमारे संविधान में समाहित किया गया था। जिसके पर्यावरण के लिए चिंता की गई थी। और ये आजादी के पूर्व जब बिट्रिश काल में इसके अधिनियम बन चुके है। मूल संशोधन 14 सितंबर 2006 में भारत सरकार के गजट में एक प्रकाशन हुआ है। जिसमें जन सुनवाई कराने ई.आई.ए. रिपोर्ट तैयार करने, उसकी समय अवधि और अन्य बिन्दुओं के लिए कानून बना हुआ है। ये दुर्भाग्य का विषय है। ये लोकतांत्रित प्रक्रिया में जनपद सदस्य का विषय का प्रक्रिया है, जिस क्षेत्र में उद्योग का विकास होगा। उस क्षेत्र में जब तक उद्योग के बारे में कितना जानती है और उसे जानने के लिए प्रशासन की भूमिका क्या–क्या रही है, मैं यहां का अध्ययन किया। लागों से सम्पर्क किया। मुझे पता लगा कि जिला प्रशासन में सिर्फ 02 गांव पंचायत में ईआईए रिपोर्ट अध्यन के लिए भेजवाया है। बाकी 10 किमी. के अंतर्गत् जो ग्राम पंचायत है उनके सहयोगी ग्राम है वो इस ईआईए इस कंपनी के विस्तार स्थापना के संबंध में कुछ भी जानकारी नही रखते है। अध्ययन क्षेत्र एक डिस्टेंस में 10 कि.मी. का होता है। उसे अध्ययन क्षेत्र कहां जाता है। हमारे बीच में पर्यावरण अधिकारी महोदय बैठे हुए है। वो अच्छी तरह से समझ रहे है कि पर्यावरण क्षेत्र में रहवॉसी, उनको जानकारी हो इस संयंत्र से उन्हे क्या–क्या लाभ है, और क्या–क्या नुकसान है। विधि के विपरीत इसका ईआईए रिपोर्ट कंसलटेंस कंपनी ने बनाया है जबकि प्रावधान यह है कि भारत वर्ष में कहीं भी जनसुनवाई होगी। वहां का क्षेत्रीय भाषा और अंग्रेजी भाषा दो भाषा, यहां से ईआईए रिपोर्ट की

क्षेत्रीय अधिकारी
क्षेत्रीय कार्यालय,
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल
बिलासपुर (छ.ग.)

समरी के साथ में समरी को सारांश के ही हिन्दी किया गया है। मै समझना चाहता हूँ। मै खुद अनपढ आदमी हूँ। मैं अंग्रेजी पढना नहीं जानता। मुझे कौन समझायेगा और जब मै इतने वर्षो से पर्यावरण के क्षेत्र में काम कर रहा हूँ। तो मेरी जनता ग्रामीणों को किसने समझाया है। पर्यावरण नियम में ये निर्धारित है कि अधिसूचना प्रकाशन के पश्चात् अध्ययन क्षेत्र के ग्रामीणों को जो पढ़ा है, वो पढ़ लेगा यहां तो हिन्दी में भी नहीं है सिर्फ सारांश है। सारांश ही पढ पायेंगे। डिटेल में आपको जानकारी नहीं मिल पायेगी। तो ये सुनयोजित षडयंत्र कंपनी का है और कंसलटेंट कंपनी का है जिसके उपर जिला प्रशासन का है। ये बहुत ही दुख की बात है। कानून का उल्लंघन, संविधान की अवमानना का उल्लंघन है। ऐसी परिस्थिति में प्रत्येक ग्राम में मुनादी करवानी पडती है, जिसके विडियोग्राफी का निर्देश उस कानून में दिया हुआ है। मेरे हिसाब से किसी क्षेत्र में मुनादी कराकर विडियोंग्राफी नहीं की गई है, जो नियमो का उल्लंघन है और ये नियम का उल्लंघन इतना जघंन्नय है। मै अंजान हूँ। मुझसे कोई कानून का उललंघन हो जाता है। इतना जघंन्नय नहीं है। इसकी बारीको को समझते है। ऐसी क्या व्यवस्था थी उनकी जिन्होंने ग्रामवासियों को जानकारी को छुपाया क्यो? ग्राम वासियों से छुपाया तो ग्रामवासियों के अधिकारी को लोकतंत्र से हनन है। इनको जानने का अधिकार है, और ये जनसुनवाई को निरस्त करें। ये पूर्ण रूप से अवैधानिक है। इस कंपनी का एक वॉशरी 2017 में स्थापित हुआ। उसको एमओयू राज्य सरकार ने पास कंपनी ने हस्ताक्षर किया। एमओयू के तहत् इनको ग्रीन बेल्ट विकसित करना था। वो विकसित है। क्या? अगर ये ग्रामीण है यहां का तो इनसे पूछ लिजीए। मेरे ख्याल से नहीं किया, स्थल का निरीक्षण नहीं किया है। आप यहां प्रदूषण को खुले आंखों से देख सकते है। इसको लैब में टेस्ट करवाने की जरूरत है। इसे जानने के लिए आपको अलग से किसी चश्में की जरूरत नहीं। आपएक नजर में देख के यहां के जल स्त्रोत, यहां के जो संपदा है कृषि भूमि है। किसानों को उत्पाद है उसकी दुर्गती क्या है। आप देख सकते है। ऐसी परिस्थिति में इस क्षेत्र के लोग अपने जीवन का 10 से 20 वर्ष अपने बच्चे का कम कर रहे है। मैं बोल रहा हूँ जो कानून के दायरे में बोल रहा हूँ। वो कानून का उल्लंघन करें। उसका अवहेलना करें। हर क्षेत्र से सचिव के प्रतिनिधि आये हुये है। पर्यावरण नियमों को जो हवाला है और जो विस्तार है उसके लिए मुझे 12–14 घंटा लगातार बिन्दुवार चर्चा करना पडेगा। यहां जो आदमी अपनी जान बचाना चाहता है अपनी क्षेत्र को बचाना चाहता है। वो एसपी कार्यालय पहुंचे। ये माताये, ये बच्चे, ये ग्रामीण धूप में आकर चिल्ला रहे है क्यो? ऐसी आवश्यकता क्यों पडी। मैने आपको कल भी आपसे निवेदन किया था और हमारी माताये जो हमारे साथ गई थी आपसे

क्षेत्रीय अधिकारी
क्षेत्रीय कार्यालय,
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल
बिलासपुर (छ.ग.)

निवेदन किया था कि इस बात को देख लीजिए एक बार। जो सेम्पल टेस्टिंग के लिए जाता है जो कंसलटेंट सेम्पल लेती है। वो अध्ययन क्षेत्र के ग्राम पंचायत, नगर निगम या जो भी रहता है वहां लोकतंत्र का जो भी सरकार रहता है, उनके पास 5 आदमियों से लेना पडता है। इसका जवाब आपको अंतिम में देना पडता है। आप समझ रहे है इन लोग किन–किन गांव से मिटटी, पानी, हवा का सेम्पल प्राप्त किया, किन लोगों के सामने प्राप्त किया। ये लोकतंत्र है अगर गांव से आपको किसी चीज की कोई भी कार्य करना हो तो उस ग्राम पंचायत से आपको अनापत्ति की जरूरत है। उसकी अनापत्ति की जरूरत है। ग्राम पंचायत की वो शक्ती है। वो गांव की सरकार है। ये लोकतंत्र है। इस लोकतंत्र में तंत्र कैसे बदहाल है। अब लोग कैसे मजे कर रहे है और कैसे हुकूम चला रहे है। जिस गांव में इस जनसुनवाई का पंडाल लगा है। ये आपके गांव वाले बताये। आपका अनुमति है ग्रामसभा से पंडाल लगाने का, इनको अधिकार क्यों दिया इनको पंडाल लगाने का यहां एक भी खिला नहीं ठोका जा सकता और ये कंपनी बिना इन्वायरमेंट क्लीयरेंस के बिना एनओसी के प्लांट का निर्माण कार्य शुरू कर चुकी है। तत्काल कंपनी के प्रबंधन के उपर अपराधी प्रकरण दर्ज कराये। तत्काल निर्माण कार्य को बंद करे। परियोजना का पूर्ण रूप से विरोध है। मेरी आपत्तियों में ये भी दर्ज किया जाये। कंपनी के दबाव में हुआ ये कंपनी अपने ईआईए रिपोर्ट में ये जानकारी देती है कि मेरे खिलाफ कोई भी न्यायलयीन प्रकरण नहीं है। जबकि उच्च न्यायालय में वाद लंबित है। अभी निराकृत नहीं हुआ है। ऐसी बोकस जानकारी के आधार पर ये कंपनी और प्रशासन जनसुनवाई करवा रही है। राज्य पर्यावरण सरंक्षण मंडल में एक कमेटी है। इस कमेटी द्वारा इस ईआईए रिपोर्ट को कैसे जांचा गया और उनकी टीप क्या है। ये बोकस ईआईए फर्जी ईआईए रिपोर्ट वो कैसे इस कमेटी के पास दिया। मै केन्द्रीय पर्यावरण वन मंत्रालय का ध्यान आकृष्ट करूंगा। वो बिक चुके है वो सरकार की नौकरी नहीं कर रहे है वो उद्योगपतियों की नौकरी कर रहे है। इस क्षेत्र की छ.ग. जनता को मै नमन करता हूँ। प्रणाम करता हूँ। ग्राम पंचायत का एनओसी नहीं है। ये कैसा जनसुनवाई है। देश में घूमते 27 साल हो गया। इस पर्यावरण से संबंधित कार्य करते हुए। और सरकारे थक गई जेल भेजने के लिए मुझे, और समझ चुकी है कि इसको जेल नहीं भेजना है। ये जो बोलता है करता है। मैं गांव वाले से निवेदन करूंगा। जो अवैध जनसुनवाई करा रहे है। आपको न्याय नहीं मिलता है तो आप हाईकोर्ट में घुस जाईये। ये न्यायधानी है क्या चीज की न्यायधानी है। इतना धुआं उड रहा है पूरे जिले में, पूरे शहर में सारे न्यायधीश काला चश्मा लगाकर बैठे है। प्रदेश के वातावरण को

क्षेत्रीय अधिकारी
क्षेत्रीय कार्यालय,
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल
बिलासपुर (छ.ग.)

साफ–सुथरा बनाये। उनका भी जिम्मेदारी है। वो पेपर नहीं पढ रहे है समाचार नहीं पढ रहे है। ऐसी क्या परिस्थिति है ये कंपनी।

35. **श्री जितेन्द्र मधुकर, ग्राम–करहीपारा निरतू** :–मैं अभी यही से इस्तीफा देकर चला जाता हूँ। आज वो खरसिया से आया है, आज बोलता है किसी का बच्चा मर जाता है। बताओ किसी के बच्चो के लिए आयेगा वो। वो खरसिया से आयेगा, चांपा से आयेगा। बाराद्वारा सक्ती जांजगीर–चांपा से आयेगा क्या यहां छत्तीसगढ में वो भी छत्तीसगढ में है हमारा रायगढ़ का है छत्तीसगढ। आयेगा क्या किसी बच्चा का नुकसानी देने। आज मरेगा बच्चा तो हमारा बच्चा। महिला बताओ, हमर दाई बहनी बताओ। इतना हमर भाई बहनी नोही हा बाबा कका हो। आयेगा क्या कोई बाप महतारी मन। वो देही क्या खरसिया से नुकसानी आ के आज हमन कोल डिपो खोले हन तो 2 रूपया 4 रूपया रोजी मिलत हे। हमला प्रदीप झा भैया हमला रोजी देवत हे। हम वोहीम बहुत खुश हन। हमला रोजी देवत हे गांव में, रोड देवत हे, स्कूल–स्कूल ला बनवा थे। खरसिया से आकर देवत हे क्या, नुकसानी कोई बच्चा मरत हे क्या। बतावा मैं अपन नाम बदल देहू। झा भैया के रहते घमण्ड है। घुटकू, करही के जमीन ला खरीदे हवय। पूरा झा भैया के करही के जमीन हवय। करही वाले पूरा कोल डिपो जिंदाबाद। कंपनी में हर मजदूर को नौकरी दे रहा है। बोर दे रहा है, नल दे रहा है, पानी पाईप दे रहा है, हमको क्या कमी है। घुटकू में 5 एकड़ जमीन है मेरा। देही तो हमर गांव के आदमी देही पैसा। जो भी दे 15 हजार, 20 हजार, 1 लाख, 2 लाख वो गांव के ही आदमी देही। हॉ मैं बनीहो मोदी सरकार। मोदी ला देवहा वोट या झा भैया ला देवहा वोट। झा भैया जिंदाबाद का नारा लगाया गया।

36. **श्री उत्तम कुमार माथुर, ग्राम–तुरकाडीह पंचायत पंच** :– मैं गरीब आदमी हूँ। जो मेरे को मार्ग का दर्शन दे दिया, वो ही मेरा भगवान है, अजीत जोगी 1 ट्रेक्टर दिया था। आज मेरे पास 10 ट्रेक्टर है। वो बोलता था बेटा 8 घंटा कमाता है तुम 14 घंटा कमाओं। खरसिया के आदमी ऍति बोलत हे। खरसिया के फैक्ट्री को काबर नहीं रोकते। खरसिया के फैक्ट्री को रोककर बतातीस। उसका मन तो काला है। प्रदीप भैया, पूरा गांव के जनता मन, गरीब मन ला, बर बिहाव, मरनी हरनी मा पूरा, प्रदीप भैया खर्चा करत हे पूरा गरीब आदमी ला पोसत हे। आशाराम बाबू जैसे कंठी पहन के बोल रहा है। खरसिया में जाकर बोले वैसी। पूरा उद्योग पति लगाये हे, रोकना चाहिए उसको। प्रदीप भैया जिंदाबाद का नारा लगाया गया।

क्षेत्रीय अधिकारी
क्षेत्रीय कार्यालय,
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल
बिलासपुर (छ.ग.)

37. **श्री शिवचरण मधुकर, ग्राम–करहीपारा निरतू** :– मेरे को 3 साल हो गया जॉब करते। मैं कम्प्यूटर आपरेटर के पद पर कार्यरत् हूँ और मैं प्लांट खुलने के लिए पूरा अपना सहमति देता हूँ।

38. **श्री कृष्ण कुमार चौहान, ग्राम–घुटकू** :– मेरा निवेदन है कि पहले जो लोखंडी वाले कोल वॉशरी प्लांट का स्टील प्लांट का विरोध कर रहे है मगर ये कोल वॉशरी और स्टील प्लांट जो है लोखडी की देन है। घुटकू की देन नहीं है। लोखंडी वाले झा जी को बसाया, घुटकू में जमीन दिया है, जब जमीन दिया तो बोला मै कोल वॉशरी खोलूंगा, उस समय धोखा देके, उस समय पैसे के लालच में आंख मूंद, करके जमीन को बिक्री करते गये, आज जो उनको दुख हो रहा है, तो विरोध कर रहे है, जमीन बेचने वाले जैसे हमारे गांव के कुछ राजनैतिक पार्टी है, जो कि किराये से प्रवक्ता यहां बुलवाते है। उनको जो बोलना है, यहां आकर बोले किराये के प्रवक्ता न लाये यहां, किराये का प्रवक्ता लाने से क्या हासिल होगा। कहां गया किराये का प्रवक्ता जिस समय हमारे यहां कोल वॉशरी खुला, उस रोज नहीं थे। अरे चुल्लूभर पानी में डूब कर मर जाओ। किराये के प्रवक्ता लाये हो, वो आदमी। आप लोग गांव वाले को नहीं समझा सकें, कि इसमें हम लोग का घाटा है, कि फायदा, जो भी समस्या है, प्रबंधक से बैठकर सुलझाओ, कैसे नहीं सुलझेगा। उसको भी यही रहना है, हमको भी यही रहना है, हम मानते है हमारे यहां के कुछ मजदूरो को मजदूरी मिल रहा है, जिसका जैसा हैसियत है, हमारा भी 10 लड़का है, मेरा वो भी लडका नहीं जा रहा है, कोल वॉशरी में न मैं आज तक गया हूँ। इसका मतलब है ये नहीं कि यहां का विकास हो रहा है, विनाश हो रहा है तो विकास भी हो रहा है। दोनों चीज है। एक तरफ विनाश है तो एक तरफ विकास है। मै प्रबंधक महोदय से यही प्रार्थना करता हूँ कि पहले भी बोला था कि मेरे घुटकू में 10 बिस्तर का हास्पिटल बनवा दीजिए। आज भी उनसे विनम्र प्रार्थना कर रहा हूँ मेरे घुटकू को 10 बिस्तर का हास्पिटल प्रदान करें। स्थानीय नेता है, मेरे गांव में आंदोलन न करवाये, उनमें क्षमता हो खुद आंदोलन करें, हम साथ देंगे, उनका न्याय अन्याय देखकर, बाहर से प्रवक्ता बुलवाकर आप लोग अच्छा नहीं कर रहे हो, चेत जाओ, लोखडी वालो को मैं ये संदेश देना चाहता हूँ, ये जो कोल वॉशरी खुला है, वो आप लोगों के मार्फत खुला है, न कि प्रदीप झा खोले है, प्रदीप झा का ताकत नहीं था आप लोग प्रदीप झा को बुलाये। आप लोग बसाये उसको आज उसी के पीछे आप लोग उसका बुराई कर रहे हो, फायदा के लिए तो हॉ हॉ। ये काम मत करो कोल वॉशरी, स्टील प्लांट खुलेगा ही। आप लोग जितना ताकत लगाना है, तो

क्षेत्रीय अधिकारी
क्षेत्रीय कार्यालय,
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल
बिलासपुर (छ.ग.)

लगा सकते हो, वो तो नहीं बोल रहा है, कि मत लगाओ, मेरा यही प्रार्थना है कि बाहर के प्रवक्ता न बुलाओ। ये किराये के प्रवक्ता हम बर्दाशत नहीं करेंगे। जिसमें दम हो, आके बात करें, यहां।

39. **श्री राम सूर्यवंशी, ग्राम–घुटकू** :– मेरा शासन–प्रशासन से अनुरोध से मेरा प्रार्थना है कि मैं इस कार्यक्रम के विरूद्व आज आपत्ति दर्ज करता हूँ, मैं चाहता हूँ, कि ये कार्य पारस पॉवर और ये कोयला के किसी प्रकार की कोई कंपनी न खुले। हमें पता है कि कोयला से ग्रस्त कितना हानिकारक होते है। हम घनापारा वाले इस 5 साल से त्रस्त होते चले आ रहे है, और मै ये नहीं चाहता कि हमारे घुटकू के क्षेत्र में किसी प्रकार का बुरा असर पडे और मैं शासन प्रशासन से प्रार्थना करता हूँ, कि ये कंपनी बिल्कुल न खुले। कोयला किसी भी प्रकार से बुरा प्रभाव न डाल सकें।

40. **श्री संजीत, ग्राम–मंगला** :– मेरा फैक्ट्री जारी रहेगा। पानी पीयो छानकर फैक्ट्री चुनो, जानकर। ये फैक्ट्री रहना चाहिए। अभी तो पूरा पब्लिक चला गया, नास्ता के लिए भाई पैसा के लिए, कौन नहीं जायेगा। अभी सामने में सब पुलिस प्रोटेक्शन सब है, सब पूरा जनता भी है, क्यू नहीं, लडेंगे भाई, फैक्टी जारी है, हमारा मैं खुद यूनियन है हम, और ऐसा करते रहेंगे मजदूर हमारा नाम रंजीत है सतनामी शेर है। बघवा जात है बघवा कभी नहीं हटता। फैक्ट्री जारी रहेगा।

41. **श्री मगलू राम भागवत, ग्राम–लोखंडी** :– संस्था में फिल कोल में आज 6 साल से कार्यरत हूँ। हमें किसी प्रकार का कोई तकलीफ नहीं है, अन्यथा आगे चलके जो प्रोजेक्ट लगाना चाहते है। हमारा कोई एतराज नहीं है।

42. **श्री धनीराम पटेल, ग्राम–लोखण्डी** :– हमको नहीं चाहिए ऐसा जो कोल फिल है। बहुत परेशानी हो रहा है, हमारे फसल को नुकसान हो रहा है, यही भविष्य गुजर रहा है, हमारा फसल नुकसान हो रहा है। मैं विरोध करता हूँ।

43. **श्री सत्य प्रकाश सोनचे, ग्राम–घुटकू** :– माननीय प्रबंधक महोदय से जानकारी चाहूंगा कि ग्रामवासियों को कितने को रोजगार दिया गया है, गांव में जाकर जल, पानी, वायु प्रदूषण की जांच हुई है या क्षमता विस्तार पूर्ण रूप से चाहूंगा। कितने हेक्टेयर में वृक्षारोपण का काम दिया गया।

क्षेत्रीय अधिकारी
क्षेत्रीय कार्यालय,
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल
बिलासपुर (छ.ग.)

(413)

44. **श्रीमती कमला सूर्यवंशी, ग्राम–घुटकू** :– हमारे यहां पारस पॉवर का कोल डस्ट है बुरी तरह से हम लोग त्रस्त हो गये है। सुबह से लेकर शाम तक हम लोग त्रस्त है। सुबह से हम लोग पानी भरने जाते है उसमें डस्ट है। तालाब में नहाने जाते है। घर में कुछ तो सुविधा है ही नहीं। बाहर जाते है तालाब में नहाने जाते है। जो पानी है वो भी प्रदूषित है। उसमें भी सिर्फ ध्वनि प्रदूषण हो रहा है, वायु प्रदूषण हो रहा है, जल प्रदूषण हो रहा है। यहां पर छोटे–छोटे जीव–जन्तु, पशु–पक्षी कुछ भी जीव छूटा हुआ नहीं है कहां न जाये कि यहां पर प्रभाव नहीं पडा है। हम लोग पूरी तरह से प्रभावित हो रहे है, महोदय से निवेदन है कि हम लोग झेल रहे है। हमारे आने वाले पीढ़ी है, ये न झेल सके। क्योंकि आज हम रो रहे है, हमारे बच्चे हम लोग से पूछेंगे, कि ये आंदोलन आपने क्यो नहीं किया, कि जो आज हम लोग इतना रो रहे है। हम अपने आने वाले भविष्य को अच्छे भविष्य देने वाले है, मगर कोल वॉशरी के चलते बड़े–बड़े उद्योग क्या है उद्योगपति 2 रूपया लगा कर यहां से करोडो रूपया लेकर जा रहे है और हम जनता लोग यहां 200 कमाने के लिए हम लोग बोल रहे है, कि हम लोगों के लिए 200 बहुत है, क्योंकि हम लोग गांव में मजदूरी करते है 100 रूपये में हम लोग जाते है, तो हम लोग सोचते है 500–600 रूपया रोजी 3 दिन की रोजी 1 दिन में मिल जाये। ये नहीं सोच रहे है कि एक दिन में मिनटों में करोडो रूपया कमा कर ले जा रहे है। बिट्रिश शासन हमारे भारत में वस्त्र उद्योग करके करोड़ो रूपये कमा कर ले गये है। हम लोग को क्या हुआ जनता लोग का गुलाम के रूप में है और आज भी वैसी गुलाम के रूप में है। बिट्रिश जमाने में वो लोग हमसे काम करवाते थे। भारत देश के विकास में पर इस कोल वॉशरी के चलते गांव हर तरफ प्रदूषित होते हुए एक जगह भी ऐसा नहीं है कि हम लोग प्रदूषित नहीं हुए है। सुबह जैसी उठते है, पूरा काला होता है, वहां पर काला हो जाता है, वहां पर हम लोग विडियों शूटिंग भी लिये है। सुबह होता है, तो ऐसी ही परेशानी है, पर एक भी सुनवाई नहीं हुआ है। हम लोग अभी धरना दिये थे, आश्वासन दिये थे कि आप लोगों हर सुनवाई की जायेगी, पर अभी तक कोई सुनवाई नहीं की जा रही है। गांव वालो को गुमराह करके शासन से हम लोग की सुनवाई नहीं कर रहे है, हम लोग को बेवकूफ बनाकर न उद्योग को दिन प्रतिदिन बढा रहे है। छोटे–छोटे बच्चे, लोग है उन लोग का भविष्य क्या होगा। हम लोग प्रशासन के पास जाते है तो बोलते है, हो जायेंगे, हो जायेंगे बोलते है। सारे कर्मचारी लोग आवाज नहीं उठा रहे है, जनता को इकट्ठा कर रहे है। समाधान–हो जायेंगे, बोल रहे है सर समाधान नहीं हो रहा है। हम लोग को लोकतंत्र एक नागरिक तंत्र का अधिकार है। हम शुद्व, हवा, शुद्व जल, पर्यावरण इसमें लोकतंत्र शासन में नियम दिये है रूल दिये है कि आप स्वच्छ वातावरण में

क्षेत्रीय अधिकारी
क्षेत्रीय कार्यालय,
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल
बिलासपुर (छ.ग.)

रहो, स्वच्छ जल रहे, स्वच्छ आपका जीवन रहे, पर एक भी ऐसा नहीं है सर, जिसमें अच्छी तरह से सांस ले सके। अच्छी तरह से जीवन यापन कर सकें, अपने बच्चों को जीवन यापन कर सकें, अच्छी भविष्य दे सकें। हमारे गांव की जो स्थिति है उसको शासन केन्द्रीय करके शासन हमारे तरफ ध्यान देते हुए ये रिक्वेस्ट कर रही हूँ कि हमारे बच्चों को भविष्य को देखते हुए, ये कोल वॉशरी, स्टील प्लांट हमको कुछ भी नहीं चाहिए सर, जिससे हमारा आने वाला पीढी रोये, जो हम रो रहे है सुबह से लेकर शाम तक। यहां गाय, बछरू, बकरी, बकरा सब चरने जाते है वो लोग भी रो रहे है। हम लोग को क्या पता की कैसे रो रहे है। अभी हम लोग वहां से आये है, हमारे घर से घुटकू, घनापारा गांव से वहां पर गाय डस्ट घास को खा रहे है। एक मरे हुए भी थे, हमको भी दर्द हो रहा था, सर इसलिए रिक्वेस्ट करती हूँ कि हर प्राणी को देखते हुए कोल वॉशरी, स्टील प्लांट को नही देना दूसरा फैक्ट्री खोलिये ना सर, सब लोग वहां जायेंगे। आप लोग ऐसी जगह खोल रहे हो, जहां पर जीव–जन्तु मानव जहां पर निवास कर रहा है वही पर आप लोग क्यो खोल रहे हो सर, हमारा यही रिक्वेस्ट है कि आप कोल वॉशरी, स्टील प्लांट खोले हो उसको बंद कीजिये। ये प्रदूषित हो रहा है यही हमारा रिक्वेस्ट है सर। आज भविष्य को देखते हुए आज महात्मा गांधी, पंडित जवाहर लाल नेहरू एवं झाँसी की रानी जितने लोग भी अपने वर्तमान को नहीं देखा। इसलिए भविष्य में हमारे बच्चे लोग स्वतंत्र रहेंगे। भारत स्वतंत्र रहेंगे पर आज हमारा भारत स्वतंत्र नहीं है सर, लोकतंत्र स्वतंत्र नहीं है, इसलिए शासन को केन्द्रीत करते हुए हमारे ग्रामवासी को ध्यान देते हुए सर, कोल वॉशरी हमको नहीं चाहिए। स्टील प्लांट वगैरह नहीं चाहिए।

45. <u>श्री लेखराम लूनिया, ग्राम–घुटकू</u> :–यहां सबने अपने–अपने तरीके से बहुत अच्छे तरीके से आपको समझाया। किसी ने समर्थन में, किसी ने समर्थन से बाहर समर्थन दिया। यहां पर कुछ कहना चाहता हूँ यहां से कुछ ही दूरी पर आपको किसी का जनसुनवाई करने का जरूरत नहीं है। यहां से रोड से कुछ क्षण दूरी में 4 तालाब है, उस 4 तालाब पानी को देख लिजिए। 4 तालाब में जो कोयले का डस्ट है। आप उसको देख लिजिए। किसी जनसुनवाई का जरूरत नहीं पड़ेगा।

46. <u>श्री पीयूषकांत लोनिया, ग्राम–घुटकू</u> :– फिल कोल प्लांट चलता है उसका डस्ट है वो पूरा लोनियापारा को ढक देते है। जो भी डस्ट है, वो हवा में धूल जाता है। हम लोगों को सांस लेने में दिक्कत होता है। कोयले के डस्ट में तो ये हाल हैं, सांस लेने में रहता है। तब प्लांट लगेगा तब क्या होगा। आदमी घुट–घुट के

क्षेत्रीय अधिकारी
क्षेत्रीय कार्यालय,
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल
बिलासपुर (छ.ग.)

मरेंगे। हार्ड अटैक से मरेंगे। हमको हमारी जिंदगी जी लिये। अब पारी हमारे बच्चो की हम नहीं चाहते हमारे बच्चो को कोई गंभीर समस्या हो। कोई गंभीर बिमारी हो। इसलिए मै आप लोगों से गुजारिश करता हूँ रिक्वेस्ट करता हूँ कि प्लांट की अनुमति न दिया जाये।

47. <u>श्री जसराम प्रजापति, ग्राम–घुटकू</u> :–ये आपको उसी दिन अवगत हो जाना चाहिए था। जिस दिन आपके पास प्लांट वाले आवेदन लेकर आये। उसी दिन ये अवगत हो जाना चाहिए था। जिस क्षेत्र में ये उद्योग खोला जा रहा है वो बहुत घनी आबादी वाला क्षेत्र है और पूरा किसानों का सिंचित जमीन है। आपको हमारी चिंता होनी चाहिए। हमारी जनता के लिए आपको रखा गया है। आपको उसी दिन जन सुनवाई की कोई नौबत ही नहीं आती। हमारे बारे में क्या सोचे, कि वो घनी आबादी है, घनी आबादी वो भी सिंचीत जमीन में क्या प्लांट खोलने की अनुमति है। सिंचित जमीन में सुप्रीम कोर्ट आदेश भी है कि सिंचित जमीन में कोई प्लांट, कोल वॉशरी कोई उद्योग नहीं लगाया जाता है, रही बात पंचायत की, तो पंचायत को ये भी सूचित नहीं है, यहां पर जनसुनवाई की अनुमति नहीं लेनी कि आप लोगों ने इसके बारे में सोचे नही। यहां बिना एनओसी के जनसुनवाई हो रही है। यहां तक की पंचायत को, ये भी जानकारी नहीं है, कि किस जगह पर जनसुनवाई ली जायेगी। जनसुनवाई के कार्यक्रम कराये जायेंगे। यहां पर जो चीजे हो रही है वो सबको नजर आ रही है, कि क्या हो रहा है, यहां पर तो मेरा कोल वॉशरी से पूर्ण रूप से घोर विरोध है, इस कोल वॉशरी से भाई बोले थे जिस चीज को हम भी देख रहे है, पहले हमारे गांव में 50 फीट में वास्तव में शुद्व जल पेय जल मिलता था, आज मान लीजिए उद्योग आने से विकास हो रहा है, ठीक है, विकास हो रहा है, पैसे क्यों कमाते है। शुद्व, हवा हम किसको पीयेंगे, किसको सांस लेंगे, शुद्व, हवा को पैसे को, पैसे से सांस लेकर जी लेंगे। प्रदूषित हवा से सांस कैसे लेंगे, जीवित कैसे रहेंगे। जीवन जीने के लिए सबसे बड़ी चीज, क्या होती है। हवा, शुद्व हवा, की जरूरत होती है। आज बताईये हमारे गांव में शुद्व हवा मिल रही है। आज जिस टेम्प्रेरेचर में खड़े है यहां पर इससे कुछ साल पहले इतनी टेम्प्रेरेचर हुआ करती थी। कोल वॉशरी के आने के बाद ही आज ही जितनी गर्मी झेल रहे है। आपको अनुभव है उसके साथ ही साथ शुद्व खाना कहां से मिलता है कहते है उद्योग से कारखाने चलती है सब चलती है क्या किसान पेट भरने के लिए कौन पैदा करता है किसान पैदा करता है, अनाज। आज किसान के पास जमीन ही नहीं रहेगी, तो अनाज कहां से पैदा होगा, कहां से पैदा होगा बताईये। कुछ पैसो की लालच देकर गांव के लोगों को भोले–भाले किसानो को खोला जा रहा है ये प्लांट। धोखा देकर ये।

क्षेत्रीय अधिकारी
क्षेत्रीय कार्यालय,
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल
बिलासपुर (छ.ग.)

क्या अनाज पैदा होगा, और बच गई कुछ की जमीने, उस जमीन को डरा –धमका कर लालच देकर, दलाल लोगों के माध्यम से जमीनों को खरीदा जा रहा है, या फिर उनकी जमीने बंजर हो जा रही है। आज गांव में बेरोजगारो की स्थिति कह रहे है रोजगार देंगे। आज तक के क्या कभी कोई रोजगार दिये। कहते है प्लांट में सीएसआर मद होता है सीएसआर मद में 2 प्रतिशत गांव की हित में लगाई जाती है, कहां पर सीएसआर मद से 2 प्रतिशत में सीएसआर मद पर काम हुआ है, इस गांव में, पिछले 8–10 साल हो गई है, प्लांट क्या उनके पास सूची हैं। कहां–कहां काम कराये है 2 लाख 2.50 लाख का काम करने से हो, सीएसआर मद का 2 प्रतिशत आ जायेगा। बताईये जो पहले जन सुनवाई हुई होगी तो लिखे होंगे कि हम गांव को गोद में लेंगे। गोद लेने के नाम से यहां पर विकास कार्य करायेंगे। अभी किसी भाई साहब ने कहां वृक्षारोपण कराई जा रही है। आप सबसे पूछना चाहूंगा कि इस रोड से इस आगे से लेकर पीछे तक आपके गांव तक क्षेत्र आते है कितना पेड़ लगा है, गिनकर बताईये। आज हम जिस विद्यापीठ पर बैठे है। यहां शिक्षा सबसे बडी चीज होती है, कि नहीं शिक्षा के लिए इन्होंने क्या किया, आज तक, क्या किया, हमारे गांव के लिए, कुछ हुआ है, बताईये मुझे किसी विद्यार्थी को कुछ बनाया है, इन्होंने बताईये। 26 जनवरी में लड्डू मिठाई बांट देने से सब कुछ हो जाता है क्या? महोदया जहां बैठी है वो विद्यालय में ही बैठी है कि नहीं। शिक्षा वही से प्राप्त किये हैं विवेक वहीं से प्राप्त किये है। जब प्लांट वाले लेकर गये, तो घनी आबादी के बारे में विवेक कहां लेकर गई थी। जहां हमको जनसनुवाई की नौबत आ गई, रही बात रोजगार की, तो मैं जहां तक जानता हूँ कि प्लांट में कोई भी रेगुलर व्यक्ति सीधी भर्ती नहीं है, पूरे पूर्णरूप से ठेकेदार के अंदर में काम कर रहे है, वो भी ठेकेदार, किसी का लायसेंस भी नहीं है, वहां पीछे लेकर जाते है, ठेका में और सिर्फ गांव के लोगो को कोयला तोडवाया जाता है, वो पूर्ण हफ्ते–हफ्ते पैसे नहीं देते हो। तो मैं महोदय जी से निवेदन करना चाहूंगा कि पूर्ण रूप से कोल वॉशरी बंद कर दी जाये, या चल रही है तो उसको बंद करें। आगे इसको कोई विस्तार न दे, हमारे गांव में धूल, डस्ट, अभी–अभी दीदी बता रही थी न कि घनापारा से आप लोग भी देखे होंगे, कि खेत में धान लगा है उसको एक भी गाय धान को खाने के लायक भी नहीं समझ रहा है, सोच लिजिए जानवर भी उस धान को खाने के लायक नहीं समझ रहे है, इतने डस्ट उड़ रहे है, आगे चलके, पूरे बीमारियों की घर बनने वाली है, आप जनता न्याय करिये कि आपको बीमारियों के साथ जीना है, कि इन प्लांटो के साथ, सहयोग करना है। मानता हूँ उद्योग के साथ विकास आती है। परंतु ऐसा विकास नहीं चाहिए, हमको जो हमको शुद्व जल न दे सके, शुद्व भोजन न दे सके, स्वास्थ वायु न दे सकें। पैसे

क्षेत्रीय अधिकारी
क्षेत्रीय कार्यालय,
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल
बिलासपुर (छ.ग.)

को क्या करेंगे आप, कि शुद्व चीजे पैसा किसलिये कमाते है। रोजगार के लिए। पैसे से उनकी जीवन चल जायेगी। क्या शुद्व हवा नहीं मिलेगी तो क्या जी पायेंगे। चलिये उनके पास पैसा आ गये वो भी पैसा किस काम का बीमार होने के बाद वो पैसा हास्पिटल में दे दे। क्या काम उस पैसे का, कोई काम उस पैसे का भोजन के लिए व्यवस्था की जाती है। उस भोजन के लिए पूर्ण रूप से हमको स्वास्थ न बनाये। पेट भरने के लिए रेत मिट्टी भी खाकर जी सकते है। हमारे गांव में अंजू नाम का व्यक्ति था, वो पागल थे, वे रेत खाते थे, कई साल तक जिये। जीवन जीये क्या ऐसी पैसी की जरूरत है आप लोगों को, कि ये उद्योग की जरूरत है, आप लोगों को, मैं तो एक ही चीज बोलूंगा कि ये कोल वॉशरी नहीं खुलनी चाहिए विरोध है।

उपरोक्त वक्तव्यों के बाद अतिरिक्त कलेक्टर, जिला–बिलासपुर तथा क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा उपस्थित जन समुदाय से अपने विचार व्यक्त करने का अनुरोध किया गया। किंतु जब कोई भी व्यक्ति अपने विचार व्यक्त करने हेतु उपस्थित नहीं हुआ तब लगभग 3:00 बजे अतिरिक्त कलेक्टर, जिला–बिलासपुर द्वारा लोक सुनवाई के दौरान आये विभिन्न मुद्दों के निराकरण हेतु परियोजना प्रस्तावक को आमंत्रित किया गया।

परियोजना प्रस्तावक की ओर से श्री राजेश ठाकुर (कंपनी प्रतिनिधि), महेश्वर रेड्डी, पायनियर एनवायरो लेबोरेटरीज एंड कंसल्टेंटस प्राईवेट लिमिटेड, हैदराबाद मेसर्स फिल स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड, ग्राम–घुटकू व निरतू, तहसील–तखतपुर, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) के द्वारा परियोजना के संबंध में लोक सुनवाई के दौरान उठाये गये मुख्य मुद्दों के निराकरण हेतु मौखिक रूप से उपस्थित जन समुदाय को अवगत कराया गया। लगभग 3:30 बजे अतिरिक्त कलेक्टर, जिला–बिलासपुर द्वारा लोकसुनवाई सम्पन्न होने की घोषणा की गई।

-

क्षेत्रीय अधिकारी
क्षेत्रीय कार्यालय,
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल
बिलासपुर (छ.ग.)

लोकसुनवाई स्थल पर लिखित में 463 आवेदन पत्र सुझाव/विचार/टीका –टिप्पणी प्राप्त हुई। स्थल पर उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति को आवेदक से परियोजना पर सूचना/स्पष्टीकरण प्राप्त करने का अवसर दिया गया। लोक सुनवाई के दौरान 47 व्यक्तियों के द्वारा मौखिक सुझाव/विचार/टीका–टिप्पणी एवं आपत्तियां अभिव्यक्त की गई, जिसे अभिलिखित किया गया। लोक सुनवाई में लगभग 500 व्यक्ति उपस्थित थे। उपस्थिति पत्रक पर कुल 150 व्यक्तियों द्वारा हस्ताक्षर किया गया। आयोजित लोक सुनवाई की वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी कराई गई।

क्षेत्रीय अधिकारी
क्षेत्रीय कार्यालय,
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल,
बिलासपुर (छ.ग.)

अतिरिक्त कलेक्टर,
कार्यालय कलेक्टर,
जिला–बिलासपुर (छ.ग.)